page 1 and 8 July 26_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/26/2026 2:05 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 चिकित्सा शिविर में 600 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

5 झंडू कुमार ने दिलाया भारत को पहला मेडल

8 नशा मुक्त अभियान के तहत जिला बैडमिंटन टूर्नामेंट शुरू

मौसम जम्मू — न्यूनतम 23 — अधिकतम 32

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-187 | जम्मू तवी, रविवार 26 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली, 25 जुलाई । कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया। शनिवार को राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार अब उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी को सौंपा गया है। प्रह्लाद जोशी ने 30 मई 2019 को पहली बार केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। उस समय उन्हें संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली थी। जून 2024 तक उन्होंने इन मंत्रालयों का कार्यभार संभाला। 2024 के आम चुनाव के बाद उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई। कर्नाटक के धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से प्रह्लाद जोशी लगातार पांच बार सांसद चुने जा चुके हैं। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद उन्होंने कहा था कि कम अंतर से मिली जीत से वे पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। उल्लेखनीय है कि इंस्टाग्राम पर व्यंग्य के रूप में शुरू हुआ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का अभियान कुछ ही महीनों में बड़े छात्र आंदोलन में बदल गया। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

केन्द्र सरकार ने सीजेपी की मांगे मानी, छात्रों ने की आंदोलन खत्म करने की घोषणा

नई दिल्ली, 25 जुलाई । केंद्र सरकार ने शिक्षा सुधारों के लिए जंतर-मंतर और देशभर में आंदोलन कर रही 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) की सभी मांगे शनिवार को स्वीकार कर ली। इसके साथ ही सीजेपी ने अपना आंदोलन वापस ले लिया है। साथ ही सरकार ने कहा है कि शिक्षा सुधारों को लेकर सीजेपी टीम के साथ आने वाले हफ्तों में मिलकर काम करेगी। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने आज केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और डॉ जितेंद्र सिंह के साथ दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बातचीत की।

मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में रीडिंग मैराथन को दिखाई हरी झंडी, कारगिल के नायकों को रोल मॉडल बताया

श्रीनगर, 25 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को यहाँ शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआई सीसी) में पाँच किलोमीटर लंबी रीडिंग मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

उन्होंने युवाओं से नशीली दवाओं से दूर रहने, जीवन भर पढ़ने की आदत डालने और एक हरे-भरे और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। छात्रों, शिक्षकों, शिक्षाविदों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने रीडिंग मैराथन को ज्ञान, शारीरिक फिटनेस और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदारी का एक अनूठा संगम बताया। उन्होंने कहा कि यह मैराथन ज्ञान प्राप्त करने की संस्कृति और प्रकृति के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी का संगम है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भर के सैकड़ों छात्रों द्वारा दिखाया गया उत्साह इस क्षेत्र के युवाओं की अपार क्षमता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्लासरूम और पाठ्यपुस्तकों से परे शिक्षा की परिकल्पना करती है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सीखने का परिणाम ज़िम्मेदार कार्यों और समाज में सक्रिय भागीदारी के रूप में दिखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों या चार दीवारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह खेल, सामुदायिक भागीदारी, स्वस्थ जीवन और ज़िम्मेदार नागरिकता में दिखनी चाहिए। उन्होंने रीडिंग मैराथन को राष्ट्रीकय नीति के विज़न का व्यावहारिक रूप बताया। चिनार बुक फेस्टिवल की थीम रन फॉर ए ग्रीन फ्यूचर (हरे-भरे भविष्य के लिए दौड़) और इसके स्लोगन नशे को ना, किताबों को हाँ का ज़िक्र करते हुए सिन्हा ने कहा कि इस पहल ने जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं को सफलतापूर्वक एक साथ लाया है—पाँच किलोमीटर की दौड़ के माध्यम से शारीरिक फिटनेस, पढ़ने के माध्यम से बौद्धिक विकास और टिकाऊ जीवन शैली के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता। उन्होंने कहा कि पढ़ने से नज़रिया व्यापक होता है और सोच पैनी होती है जबकि दौड़ने से शारीरिक शक्ति और अनुशासन बढ़ता है।

उपराज्यपाल ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर, 25 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने संदेश में उपराज्यपाल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मङ्ग१

" उन शहीदों को नमन करता हूँ जिन्होंने ऑपरेशन विजय के दौरान माँ भारती की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

हमारे सशस्त्र बलों का असाधारण साहस आने वाली पीढ़ियों को सदा प्रेरित करता रहेगा।

मैं अपने शहीद वीरों के परिवारों के प्रति भी गहरी श्रद्धा व्यक्त करता हूँ। उनका निस्वार्थ समर्पण हमारे सर्वोच्च राष्ट्रीय गौरव का चिरस्थायी प्रतीक बना रहेगा।

खबर संक्षेप

रिश्वतखोरी केस में पटवारी व पूर्व लंबरदार के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

श्रीनगर, 25 जुलाई । जम्मू-कश्मीर एंटी करप्शन ब्यूरो ने बारामुला में रिश्वतखोरी के एक मामले में तत्कालीन पटवारी फिदा हुसैन शाह और पूर्व लंबरदार मंजूर अहमद मीर के खिलाफ विशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन बारामुला की अदालत में चार्जशीट दाखिल की है।

एसीबी के अनुसार मामला 16 अप्रैल 2024 को दर्ज किया गया था जिसमें भवन अनुमति से संबंधित एनओसी/राजस्व रिपोर्ट देने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप था। जांच के दौरान नकद राशि की बरामदगी सहित दस्तावेजी, इलेक्ट्रॉनिक और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए जिससे दोनों आरोपियों की संलिप्तता प्रथम दृष्टया सामने आई। सरकार से अभियोजन की मंजूरी मिलने के बाद एसीबी ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व आईपीसी की धाराओं के तहत चार्जशीट पेश की।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 12 नवंबर 2026 निर्धारित की है।

राजौरी में भारी बारिश के कारण घर ढहा, एक महिला की मौत, दो घायल

राजौरी, 25 जुलाई (। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक मकान ढहने से एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना भाटियान गांव में हुई, जहां लगातार बारिश के कारण मकान ढह गया। मृतक महिला की पहचान भाटियान गांव के अब्दुल रहमान की पत्नी शाहिद परवीन के तौर पर हुई है।

घायल परिवार के दो सदस्यों को मलबे से निकालकर सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) राजौरी ले जाया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है।

ऋषि दत्त शर्मा बने जम्मू कंटोनमेंट बोर्ड के उपाध्यक्ष, पद एवं गोपनीयता की दिलाई गई शपथ

जम्मू,, 25 जुलाई। जम्मू कंटोनमेंट बोर्ड में आज उपाध्यक्ष पद के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य ऋषि दत्त शर्मा को बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर मनदीप सिंह कहलों, विधायक चौधरी विक्रम रंधावा और बोर्ड के सीईओ डॉ. नितीश गुप्ता की मौजूदगी में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इसके बाद आयोजित बोर्ड बैठक में जम्मू कंटोनमेंट क्षेत्र में सीवरेज सिस्टम विकसित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

असम बाढ़: प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री से की बात, राहत और पुनर्वास के लिए हरसंभव सहायता का भरोसा

गुवाहाटी, 25 जुलाई । केंद्र सरकार ने ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राहत, बचाव, पुनर्वास और दीर्घकालिक पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत के बाद यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं फोन कर राज्य में बाढ़ की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जान-माल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए हर स्तर पर असम सरकार के साथ खड़ी है और राहत, बचाव, पुनर्वास तथा पुनर्निर्माण कार्यों के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री सरमा ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियानों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बाढ़ से हुए नुकसान, राहत कार्यों की प्रगति और प्रभावित इलाकों में सामने आ रही चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस बीच, केंद्र सरकार की एक अंतर-मंत्रालयीय टीम आज असम पहुंच रही है।

नौ दिन में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ने बिना रुकावट के तय किया 1,200 किमी का सफर

नयी दिल्ली 25 जुलाई । दिल्ली मंडल के जींद-सोनीपत रेलखंड पर दौड़ रही देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ने अब तक 1,200 किलोमीटर से अधिक की यात्रा तय की है और इस दौरान इसने 3,200 लीटर डीज़ल की बचत की है। रेलवे ने शनिवार को यह जानकारी दी। ईंधन से चलने वाली ट्रेनों का किफायती और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प मानी जा रही है इस ट्रेन ने पिछले नौ दिनों का सफर बाधा रहित तय किया है। रेलवे के अनुसार यह हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली उत्पन्न करती है। इस प्रक्रिया से ट्रेन को चलाने के लिए आवश्यक विद्युत ऊर्जा प्राप्त होती है तथा उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है। इसमें न धुआँ निकलता है और न ही टेलपाइप से कार्बन उत्सर्जन होता है, जिससे यह वर्तमान में उपलब्ध रेल प्रणोदन की सबसे स्वच्छ तकनीक बन जाती है।

यह परियोजना भारतीय रेल के नेतृत्व में विकसित एक पूर्णत: स्वदेशी पहल है। दस कोच वाली इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो संयुक्त रूप से 2,400 किलोवाट शक्ति प्रदान करती हैं। इसके साथ लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियाँ तथा हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाए गए हैं।इस परियोजना के तहत जींद में भारतीय रेल की पहली समर्पित हाइड्रोजन भंडारण सुविधा स्थापित की गई है। यहाँ 500 बार तक के दाब पर हरित हाइड्रोजन का भंडारण तथा 350 बार के दाब पर ईंधन भरने की व्यवस्था है।

जम्मू-कश्मीर में 25 से 27 जुलाई तक कई स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना

श्रीनगर, 25 जुलाई । अगले चार से छह घंटों के दौरान जम्मू और कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश और छिटपुट भारी बौछारें पड़ने की संभावना है और दोपहर बाद तक मौसम में सुधार होने की उम्मीद है।

श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने 25 से 27 जुलाई तक कई स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है साथ ही कुछ स्थानों पर विशेष रूप से जम्मू डिवीजन में सुबह के समय संक्षिप्त भारी बौछारें पड़ने की संभावना है। 28 से 31 जुलाई तक एक बार फिर बारिश होने की संभावना है।

इसी बीच श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 19 से 24 जुलाई की अवधि के दौरान जम्मू और कश्मीर में सबसे अधिक संचयी वर्षा रियासी में 473.2 मिमी दर्ज की गई जबकि कश्मीर घाटी में सबसे अधिक वर्षा कुलगाम में 201.1 मिमी दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान उधमपुर में 417.5 मिमी, राजौरी में 349.9 मिमी, रामबन में 293.4 मिमी, पुंछ में 290 मिमी, कठुआ में 270.4 मिमी, जम्मू में 262.6 मिमी और सांबा में 213 मिमी वर्षा दर्ज की गई। घाटी के शोपियां में 145.2 मिमी, श्रीनगर में 144.7 मिमी, पुलवामा में 136.8 मिमी, अनंतनाग में 130.8 मिमी, बारामूला में 119.7 मिमी, कुपवाड़ा और गांदरबल में 115.9 मिमी, बांदीपोरा में 63.7 मिमी और बडगाम में 37.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार ये आंकड़े छह दिनों की अवधि के दौरान इन जिलों में दर्ज की गई कुल वर्षा को दर्शाते हैं।

सांबा और कठुआ में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू

सांबा, 25 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के सांबा और कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार देर रात सांबा के विजयपुर इलाके में टैरोर गांव के ऊपर सेना के जवानों ने हवा में एक चीज देखी, जिसके पाकिस्तानी ड्रोन होने का शक था। इसके बाद ड्रोन-रोधी उपाय शुरू किए गए। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि ड्रोन वापस पाकिस्तान चला गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह शुक्रवार शाम कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में चक नालुआ गांव के ऊपर भी कुछ देर के लिए एक संदिग्ध ड्रोन मंडराता हुआ देखा गया था।

छह दिनों से रूकी अमरनाथ यात्रा शनिवार को जम्मू से फिर शुरू, 18वें जत्थे में 6,269 तीर्थयात्री शामिल

जम्मू, 25 जुलाई । खराब मौसम के कारण छह दिनों तक रुकी रही सालाना अमरनाथ यात्रा शनिवार को जम्मू से फिर शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 6,000 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था भगवती नगर बेस कैंप से कश्मीर घाटी में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 19 जुलाई को जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण एहतियात के तौर पर यात्रा रोक दी गई थी। यह रोक खासकर 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर तक जाने वाले दो रास्तों - अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम रास्ता और गांदरबल जिले में छोटा 14 किलोमीटर लंबा बालटाल रास्ता - पर लगाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इस 18वें जत्थे में 6,269 तीर्थयात्री शामिल हैं जिनमें 1,470 महिलाएं, 25 बच्चे और 54 साधु हैं। यह जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच 223 गाड़ियों के काफिले में तड़के करीब 2-40 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि पहलगाम रास्ते के लिए कोई काफिला नहीं भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि मौसम में सुधार होने और उधमपुर-रामबन हिस्से में कई जगहों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण तीन दिन तक बंद रहने के बाद जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर फिर से ट्रैफिक शुरू होने पर यात्रा दोबारा शुरू हुई।

मौसम की स्थिति को देखते हुए शुरू हुई माता वैष्णो देवी यात्रा बारिश की वजह से फिर स्थगित

कटड़ा, 25 जुलाई । मौसम की स्थिति को देखते हुए सुबह प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने मां वष्णो देवी यात्रा को फिर से खोलने का निर्णय लिया। इस जनानकारी के सामने आने के बाद श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई है और वे फिर से माता रानी के दर्शनों के लिए पंजीकरण करवा कर अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार खराब मौसम के चलते अस्थाई रूप से स्थगित की गई वैष्णो देवी यात्रा हेतु पंजीकरण को शनिवार सुबह 7 बजे से खोल दिया गया। इसके बाद से मां भगवती के दर्शनों के लिए कटड़ा में ठहरे श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला।

शनिवार को भी क्षेत्र में बारिश हो रही है। बारिश और मौजूदा स्थिति को देखते हुए 200 पंजीकरण होने के बाद एहतियातन वैष्णो देवी यात्रा को दोबारा स्थगित कर दिया गया है।

जम्मू संभाग में बारिश से हुए नुकसान और बहाली कार्यों की संभागीय आयुक्त ने की समीक्षा

जम्मू, 25 जुलाई। संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार ने आज जम्मू संभाग के सभी जिलों में हाल की बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा करने तथा चल रहे बहाली और राहत कार्यों का जायजा लेने के लिए बैठक की अध्यक्षता की।

संभागीय आयुक्त ने जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेपीडीसीएल) के प्रबंध निदेशक को क्षतिग्रस्त बिजली ढांचे से संबंधित सभी बहाली कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति जल्द से जल्द सामान्य हो सके।

राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संभागीय आयुक्त ने सभी जिलों में प्रभावित परिवारों को अनुग्रह राशि के वितरण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उपायुक्तों को प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी सहायता से वंचित न रहे।

बैठक में प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और जलापूर्ति की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। 29 और 30 जुलाई को फिर से बारिश होने के पूर्वानुमान को देखते हुए संभागीय आयुक्त ने सभी उपायुक्तों को खाद्यान्न, एलपीजी सिलेंडर और दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त व्यवस्था पहले से करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान आपूर्ति में कोई बाधा न आए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों की सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में पर्याप्त मात्रा में दवाइयों का भंडार सुनिश्चित करने और पर्याप्त चिकित्सा कर्मचारियों की तैनाती करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

बिजली और जल शक्ति विभाग के अधिकारियों ने प्रभावित जिलों में जलापूर्ति पंपिंग तथा ट्यूबवेल और खोदे गए कुओं के संचालन की स्थिति से बैठक को अवगत कराया। उन्हें इन सभी सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर बहाल करने के निर्देश दिए गए। संभागीय आयुक्त ने बाढ़ सुरक्षा उपायों को मजबूत करने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि असुरक्षित या क्षतिग्रस्त पाए गए स्कूल भवनों को बंद कर दिया जाए और मरम्मत पूरी होने तक उनका उपयोग न किया जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने श्रीनगर पहुंचे राजनाथ

श्रीनगर, 25 जुलाई । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए श्रीनगर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रक्षा मंत्री का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय लद्दाख दौरे पर आए हैं, जहां वे 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। अधिकारियों ने अनुसार रक्षा मंत्री को हवाई मार्ग से सीधे द्रास पहुंचना था, लेकिन खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। इसके बाद रक्षा मंत्री सड़क मार्ग से द्रास के लिए रवाना हुए। द्रास में शनिवार से दो दिवसीय कारगिल विजय दिवस समारोह शुरू हो रहा है।

शुद्ध हवा के लिए घर में जरूर लगाएं ये 15 पौधे

हमारे भारत में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि खुले में सांस लेना भी मुश्किल हो गया हैं। ऐसे में प्रदूषण को रोकने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए लेकिन इनके लिए खुली जगह होनी जरूरी हैं। शायद इसी कारण लोग अपने घरों के अंदर पेड़ लगा रहे हैं।आज हम आपको बताएंगे कि घर में कौन-कौन से पौधे लगाने चाहिएं।

1989 में हुए नासा के 'क्लीन एयर स्टडी' से यह पता लगा कि घर की हवा को ताजा करने के लिए पौधे बेस्ट होते हैं। घर के अंदर की हवा में काफी मात्रा में बेंजीन, ट्राइक्लोरोथिलीन, अमोनिया जैसे कई तरह के नुकसान देने वाले रसायन होते हैं। लेकिन नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि घर के अंदर बढ़ते वायु-प्रदूषण को कम करने में ये पौधे हथियार के रूप में काम करते हैं। कुछ पौधे ऐसे होते हैं कि हमारे घरों, सार्वजनिक स्थलों और कार्यालयों के अंदर की हानिकारक गैसों को 85त्न तक अपने अंदर समा लेते हैं।ये पौधे सिर्फ़ हानिकारक गैसों से निपटारा ही नहीं करते, बल्कि घरों को सुंदर भी बनाते हैं। अच्छी सेहत और साफ हवा के लिए अपने घरों में इन

15 पौधों को ज़रूर लगाएं।

1. Anthurium andraeanum (राजहंस लिली)
राजहंस लिली हवा में नमी और वाष्प को बनाए रखती है. यह ज़ाइलीन और टोल्यूनि जैसी हानिकारक गैसों को अपने अंदर समा लोते हैं।

2. Gerbera jamesonii
यह उजले फूलों वाला पेड़ हवा में मौजूद विषेलै पदार्थों को खत्म कर देता हैं। इस पौधे को गर्म जगह पर रखना चाहिएं।

3. Scindapsus (गोल्डन लोटस)
गोल्डेन लोटस छाया में बढ़ने जहरीला पौधा वाला पौधा है। यह घर की हवा को साफ रखने के लिए बढ़िया हैं। इस पेड़ से बच्चों और जानवरों से दूर रखना चाहिए।

4. Aglaonema
इस सदाबहार पौधे को बढ़ने के लिए ज़्यादा प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन इसे अधिक नमी वाली हवा की ज़रूरत होती है। यह पौधा हवा से बेंजीन जैसे पदार्थों को फिल्टर कर हवा को शुद्ध बना देता हैं।

5. Chlorophytum ('मकड़ी संयंत्र')
यह पौधा केवल सुंदर ही नहीं, बल्कि घर की हवा से विषैली गैसों जैसे बेंजीन, कार्बन मोनोआक्साइड और ज़ाइलीन को भी खत्म कर देता हैं।

6. Ivy
यह पौधा कम प्रकाश वाली जगह लगाया जाता है और घर में मौजूद हानिकारक गैसों को खत्म करने में मददगार साबित होता हैं।

7. Azalea
यह पौधा आपके प्लाईवुड, फर्नीचर और कार्पेट से आने वाली स्मेल को खत्म कर देता हैं। अगर इसको ध्यान से रखा जाए, तो यह काफी लंबे समय तक जीवित रहता हैं।

8. Sansevieria ('मदर-इन-लॉ की जीभ')
यह काफी कठोर और किसी भी कंडीशन में रहने वाला पौधा हैं। इसकी खास बात ये है कि दूसरे पौधों की तरह हानिकारक गैसों को तो खत्म करता ही हैं और रात के समय ऑक्सीजन गैस भी छोड़ता हैं।

9. Dracaena marginata
यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला पौधा हानिकारक गैस ज़ाइलीन और ट्राईक्लोरोइथीलीन को मिटा देता हैं।

10. क्कद्दद्वद्यश्वस्त्रद्गठ्ठस्त्रह्यश्वठ्ठ
इस पौधे को कम प्रकाश पर रखने पर भी इसके विकास पर कोई असर नहीं पड़ता। इसकी देखभाल करना तो आसान है लेकिन एक बात याद रखने योग्य ये है कि यह बच्चों और जानवरों के लिए खतरनाक हो सकता हैं।

11. Nephrolepis ('बोस्टन फर्न')
यह हवा में नमी कायम रखने और कार्बन मोनो ऑक्साइड को खत्म करने वाला पौधा हैं। इसे रोजाना पानी की आवश्यकता होती हैं।

12. Spathiphyllum ('शांत लिली')
पीस लिली घरों में आम दिखने वाला पौधा है, जो हर तरह की हानिकारक गैसों को निपटारा करता हैं। यह धूल को भी समाप्त करता है और घर की हवा को शुद्ध रखता हैं।

13. Bamboo palm
यह पौधा भी हानिकारक गैसों को फिल्टर करने का काम करता हैं। इसे फर्नीचर के बगल में रखने पर यह उसमें मौजूद कैमिकल को वाष्प में बदल कर खत्म कर देता हैं।

14. Schefflera
इस पौधे को कुछ देशों में 'अंब्रेला ट्री' भी कहा जाता हैं। यह पौधा भी घर की हानिकारक गैसों को खत्म करता हैं।

15. Chrysanthemum
यह फूल का पौधा सिर्फ़ आपके घरों को डेकोरेट करने का काम ही नहीं करता, बल्कि विषैली गैसों को खत्म करने का भी काम करता हैं।

पेपर फ्लावर डैकोरेशन
यूं बनाएं कागज़ के फूल

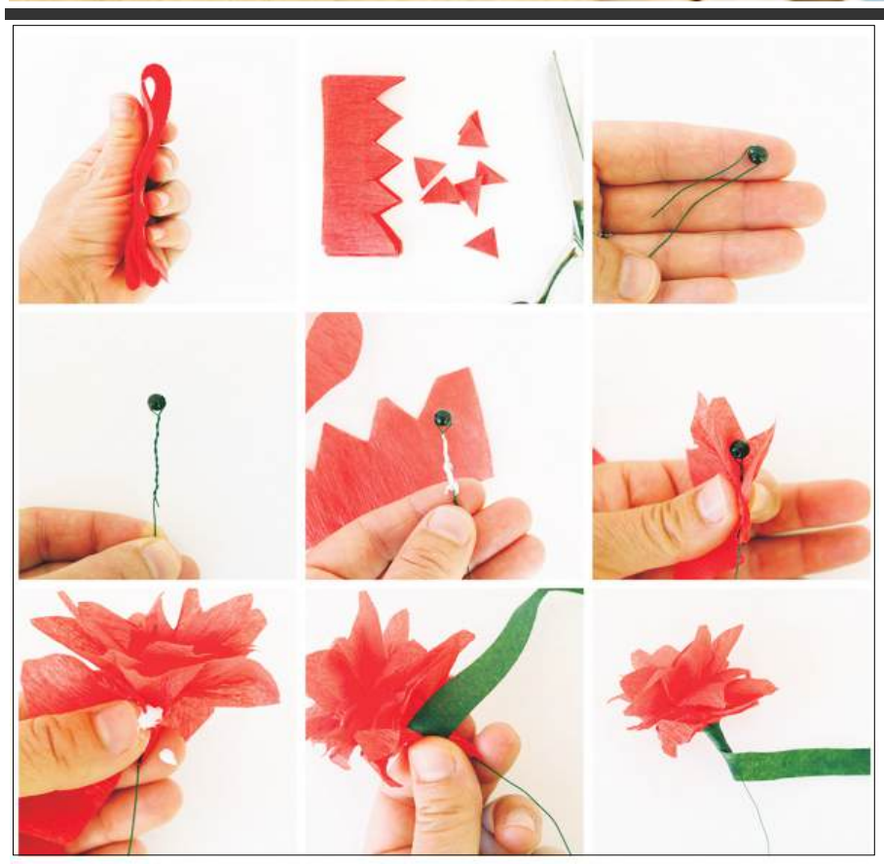

घर बड़ा हो या छोटा, डैकोरेशन के बिना सूना-सूना सा लगता है। तनावमुक्त औऱ पॉजिटिव फीलिंग के लिए घर को सजाना बहुत ही जरूरी है। वैसे तो बाजार में आपको डैकोरेशन के लिए बहुत सारी चीजें मिल जाएंगी लेकिन डैकोरेशन की कुछ चीजें आप खुद भी बना सकते हैं। वैसे भी आजकल लोग घर में पड़ी वेस्ट चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने में जागरूकता दिखा रहे हैं। अगर आप खुद से क्रिएटिवी दिखाना चाहते हैं तो वेस्ट कपड़ों, काग्जों और प्लास्टिक से डैकोरेशन की चीजें तैयार करें। हर घर में हमे फ्लॉवर पॉट मिल ही जाएगा। यह फ्लावर कपड़े, आरगेंडी, स्टोकिंग और पेपर फ्लावर से भी बने होते हैं। आज हम आपको पेपर फ्लावर बनाना सीखाते हैं, जिसे आप फ्लावर वेस में लगाकर घर की रौनक बढ़ा सकते हैं। वैसे इन्हें बनाने में आपको जल्दबाजी नहीं बल्कि सहनशीलता दिखानी पड़ेंगी। इसके लिए

आपको चाहिए
-क्रेप पेपर या टीशू पेपर -न्यूज पेपर
-धागा, सीज़र (कैंची)
-फेवी ग्लू

कैसे बनाएं पेपर फ्लावर

सबसे पहले क्रेप पेपर को 40 इंच लंबा काट लें। उसके बाद उसे आधा-आधा फोल्ड करते जाएं जब तक वह ढाई इंच न रह जाएं। फिर कैंची की मदद से पेपर के एक किनारे को जिग जैग शेप (बड़े कट) में काटें। अब सारे पेपर को खोल लें और उसे हाफ फोल्ड कर लें। सूई धागे की मदद से पेपर को जिग जैग की दूसरी साइड कच्चा टांका करना शुरू करें। जब सारी लड़ी सिल जाएं तो धागें को धीरे-धीरे खींचना शुरू करें। इस तरह से पेपर राऊंड फ्लावर शेप में आ जाएगा। सुई को निकाल कर धागें को यूं ही पड़ा रहने दें। फूल की डंडी तैयार करने के लिए न्यूजपेपर स्ट्राइप को राऊंड घुमाकर तने की लुक दें। इसे ग्लू से अच्छे से जोड़ ले ताकि यह खुले न और किनारे से काट लें। अब किसी और कलर के 8 इंच लंबा क्रेप पेपर लें और फोल्ड करते जाएं जब तक वह 1 इंच का न रह जाएं। पहले की तरह कैंची से इसकी एक साइड पर छोटे कट लगाएं। जहां से कट लगाएं हैं उस हिस्से को न्यूज पेपर के एक कोने के ऊपर रखें और धागे की मदद से लपेटे। इस तरह से यह फूल का सेंटर वाला हिस्सा तैयार हो गया है। अब इसे राऊड फ्लावर के बीच से निकालते हुए सेट करें और जो धागा फूल के साथ बचा था उसे तने के साथ अच्छे से टाई कर लें। उसके बाद न्यूजपेपर पर ग्रीन क्रेप पेपर कवर चढ़ाएं और ग्लू की मदद से जोड़ लें। इस तरह से सूरजमूखी के फूल तैयार हो गया। ऐसे ही डिफरैंट कलर में बाकी फ्लावर तैयार करें और पॉट में सजा लें। इसी तरह आप रॉज, लिली, लोट्स आदि के फ्लावर भी बना सकते हैं।

बेकार पड़ी प्लास्टिक की चीजों से यूं बनाएं क्रिएटिव सामान

आजकल की अनेक समस्याओं में से सबसे बड़ी समस्या,प्लास्टिक का दिनों-दिन बढ़ता उपयोग है। इस पर रोक लगाने के बावजूद भी लोग प्लास्टिक का इस्तेमाल बोतल, कपों, बर्तनों, थैलों के रूप करते हैं।अगर आप घर की सफाई करते है तो आपको सबसे ज्यादा प्लास्टिक ही कचरे में दिखेगी इसलिए इस तरह की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप प्लास्टिक का रिसाईकल करके होम मैकिंग अच्छे तरीके से कर सकते हैं। आज हम आपको प्लास्टिक के इस्तेमाल से घर पर ही कुछ क्रिएटिव चीजें बनाना सिखाएंगे।

1. टूथब्रश होल्डर
आप दही के कपों को फेकने के बजाएं इनको धोकर और टूथब्रश डालकर बाथरूम में टांग सकते हैं। जब ये पुराने हो जाएं तो नए कपों को लगा दें। अपनी मर्जी से आप इन पर अलग-अलग डिजाइन भी बना सकते हैं।

2.खुले सिक्कों के लिए
कई बार आप सिक्कों को ऐसे ही कही पर रख देते हैं बाद में उन्हें ढूंढने में परेशानी होती हैं। इन सिक्कों को कपों में रख लें और उनमें अलग-अलग सिक?के डालें। इससे आपको पता रहेगा कि किस कप में कौन से सिक?के रखें और जरूरत पड़ने पर बिना समय बर्बाद किए फटाक से ढूंढ लेंगे।

3.ज्यूलरिस रखने में
कई बार आपको आपके ईयरिंग्स या चैन नही मिलती तो ऐसे में अलमारी में इन कपों को रख लें और हर कप में एक अलग एस्सेसरीज रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आसानी से मिल जाएं।

4. बीज बोएं यदि आप होम गार्डनिंग का शौक रखते है तो छोटे-छोटे कपों या बाल्टियों में मिट्टी भरकर उनमें धनिया, पुदीना या फूल आदि के बीज बो दें।

5. पेपरवेट बनाएं
आप मार्किट से मंहगे पेपरवेट लेने के बदले घर में ही प्लास्टिक के साथ पेपरवेट बना लें। इससे आपके पैसे बच जाएंगे और बेकार प्लास्टिक का प्रयोग भी हो जाएंगा ।

6.कलर प्लेट
अगर आप पेंटर हैं तो आप इन कपों में ही रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं और इनमें कलर भी नहीं सूखते हैं

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू में सिविल डिफेंस का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न, 150 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। सिविल डिफेंस जम्मू द्वारा पद्मश्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-2, जम्मू कैंट में आयोजित पांच दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हो गया।

यह प्रशिक्षण 21 जुलाई से उप पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी उप नियंत्रक सिविल डिफेंस जम्मू तजिंदर कौर की देखरेख में शुरू हुआ था।

कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार, अग्निशमन, आग की रोकथाम एवं नियंत्रण, सांप के काटने, गले में वस्तु फंसने जैसी आपात स्थितियों से निपटने के उपायों के साथ प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी दी गई।

समापन अवसर पर सिविल डिफेंस आरसीडीसीसी जम्मू की विशेषज्ञ टीम ने प्राथमिक उपचार, अग्निशमन तथा सड़क दुर्घटनाओं के दौरान आपातकालीन बचाव के तरीकों

का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। मुख्य वार्डन परमजीत कुमार और उप मुख्य वार्डन आर. विजय मगोत्रा ने आपदा प्रबंधन विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जागरूकता और तत्परता के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार यादव और प्रधानाचार्या निर्मल कौर बाली ने विद्यार्थियों से सिविल डिफेंस जैसी प्रशिक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने सिविल डिफेंस संगठन का विद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

आर.एस. पुरा में मिशन युवा की समीक्षा, बासमती उत्पादकों, महिलाओं और युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने पर जोर

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। मिशन युवा के मिशन निदेशक एवं रोजगार निदेशक हरविंदर सिंह ने शनिवार को आर.एस. पुरा बिजनेस हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक की। बैठक में मिशन युवा के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रगति का आकलन करते हुए उन्होंने स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक युवाओं, किसानों तथा महिलाओं को स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया।

बैठक में बताया गया कि आर.एस. पुरा उपमंडल से अब तक 750 से अधिक उद्यम आवेदन प्राप्त हुए हैं। मिशन निदेशक ने विशेष रूप से जीआई-टैग प्राप्त आर.एस. पुरा बासमती उत्पादकों और राइस मिलर्स को मिशन युवा के नैनो वर्टिकल के तहत शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे उद्यमों को एग्री कॉर्पस फंड के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को 10 लाख रूपये तक का बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उपमंडलीय कृषि अधिकारी को संभावित लाभार्थियों की सूची तैयार कर इसी माह जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित सुचेतगढ़ को पर्यटन आधारित उद्यमिता के लिए विकसित करने पर भी जोर देते

हुए स्थानीय युवाओं को फूड ट्रक और खानपान केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। इस संबंध में ब्लॉक विकास अधिकारी, सुचेतगढ़ को उपयुक्त स्थानों और संभावित उद्यमियों की पहचान करने के निर्देश दिए गए। वहीं आर.एस. पुरा नगर क्षेत्र में पहले से संचालित उद्यमों को मिशन युवा के बिजनेस एक्सेलेरेशन घटक के तहत विस्तार के लिए जागरूक करने को कहा गया। मिशन निदेशक ने उद्यम जागृति अभियान को और प्रभावी बनाने, लखपति दीदियों तथा विद्यार्थियों को मिशन युवा के विभिन्न घटकों से जोड़ने पर भी बल दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिला उद्यमियों की पहचान कर उनके प्रस्तावों को स्वीकृति और वित्तीय सहायता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में बैंकों से लंबित आवेदनों के शीघ्र अनुमोदन एवं ऋण वितरण सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही स्पष्ट किया गया कि तकनीकी कमियों वाले आवेदनों को सीधे निरस्त करने के बजाय आवश्यक सुधार करवाकर पात्र आवेदकों को योजना का लाभ दिलाया जाए। मिशन निदेशक ने पंचायत स्तर पर प्रदर्शन में सुधार लाने पर जोर देते हुए आर.एस. पुरा बिजनेस हेल्प डेस्क की अगली समीक्षा पंद्रह दिन बाद करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम आर.एस. पुरा अनुराधा ठाकुर, तहसीलदार, विभिन्न ब्लॉक विकास अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी, जेएंडके बैंक, जेएंडके ग्रामीण बैंक, जेकेआरएलएम के प्रतिनिधि, युवा दूत और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसीबी मुख्यालय में नि:शुल्क रोग जांच शिविर आयोजित

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर एंटी करप्शन ब्यूरो मुख्यालय सिधड़ा में शनिवार को कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क रोग जांच शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर एसीबी के निदेशक शक्ति कुमार पाठक आईपीएस के मार्गदर्शन में एनजीओ हीलिंग हैंड्स के सहयोग से आयोजित हुआ।

इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच कर मुफ्त परामर्श, जांच और स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी। शिविर में फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक एवं सर्जन शामिल रहे। एसीबी कर्मचारियों और उनके परिजनों ने शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। यह शिविर कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण और समय पर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

एफडीए ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में दूध और दूध उत्पादों पर चलाया विशेष प्रवर्तन अभियान

श्रीनगर, 25 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में दूध और दूध उत्पादों पर एक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में उपभोक्ताओं को बेचे जा रहे दूध की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा टीमों ने विभिन्न जिलों में खुदरा दूध विक्रेताओं के 213 निरीक्षण किए और एनएबीएल से मान्यता प्राप्त खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से निर्धारित गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के परीक्षण के लिए खुले दूध के 170 नमूने एकत्र किए। ये नमूने जम्मू, सांबा, पुंछ, राजौरी, रियासी, उधमपुर, कठुआ, श्रीनगर, अनंतनाग, बांदीपोरा, बडगाम, गांदरबल, कुपवाड़ा, शोपियां, कुलगाम और पुलवामा के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्र किए गए थे। इसके अतिरिक्त, उच्च जोखिम वाले अन्य खाद्य पदार्थों के 10 नमूने भी गुणवत्ता और सुरक्षा परीक्षण के लिए एकत्र किए गए।

दूध और दूध उत्पाद जो अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाले और व्यापक रूप से उपभोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थ हैं एफडीए के प्रवर्तन और निगरानी गतिविधियों के तहत प्राथमिकता दी गई है। बाजार में उपलब्ध दूध और दूध उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा पर नियामक निगरानी बनाए रखने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया।

इसके अलावा अभियान के दौरान तीन खाद्य व्यवसाय संचालकों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 69 के तहत जुर्माना लगाया गया और प्रवर्तन गतिविधियों के दौरान पाई गई कमियों के लिए 5,000 का जुर्माना लगाया गया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए पांच खाद्य व्यवसाय संचालकों को सुधार नोटिस जारी किए गए।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने दोहराया है कि केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह के लक्षित प्रवर्तन और नमूनाकरण अभियान जारी रहेंगे विशेष रूप से मांस और मांस उत्पादों, मिठाइयों, बेकरी उत्पादों जैसे उच्च जोखिम वाले खाद्य पदार्थों के संबंध में और निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले खाद्य व्यवसाय संचालकों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी।

बख्शी नगर ट्रेडर्स एसोसिएशन की आमसभा, व्यापारियों की समस्याओं और बाजार विकास पर मंथन

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। बख्शी नगर ट्रेडर्स एसोसिएशन की आमसभा शनिवार को बख्शी नगर स्थित करण होटल में आयोजित हुई जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य व्यापारियों की दैनिक समस्याओं पर चर्चा करना, उनके समाधान के लिए साझा रणनीति तैयार करना और बाजार से जुड़े मुद्दों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने पर विचार-विमर्श करना था। बैठक के दौरान व्यापारियों ने अपने व्यावसायिक और संचालन संबंधी मुद्दे एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डॉ. दीपक कपूर के समक्ष रखे। इस अवसर पर बाजार के व्यापारियों के बीच एकजुटता मजबूत करने और उनकी सामूहिक आवाज को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

चिनार, पीपल, बरगद सहित विभिन्न पौधे लगाए, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से सिटीजन्स कोऑपरेटिव बैंक की ओर से शनिवार को बावा कैलख देव मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बैंक के चेयरमैन प्रवीण शर्मा, प्रबंध निदेशक (एमडी) रविकांत तथा पार्षद कुलदीप सिंह ने चिनार, सुखचैन, पीपल, बरगद और अमरूद सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की भूमिका पर बल देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। मंदिर कमेटी के प्रधान शक्ति दत्त शर्मा ने इस पहल के लिए बैंक प्रबंधन और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे समाज में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सराहनीय प्रयास बताया। इस अवसर पर प्रभाकर खजूरिया, सोनल मेहता, बंटी बलोरिया, संगीत मिश्रा, राजेश मगोत्रा, यशपाल, अजय शर्मा, मनवीर आनंद, रामनाम शर्मा, अश्विनी बक्शी, पंकज शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रियासी और रामबन में भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाओं पर एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन ने की त्वरित कार्रवाई

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। रियासी और रामबन जिलों में भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाओं पर एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की जिससे स्थानीय लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सका।

रियासी जिला के महोर में सेना क्षेत्र के पास हुए भूस्खलन से 3-4 आवासीय मकान खतरे में आ गए हैं। हालांकि सभी निवासी सुरक्षित हैं और एहतियात के तौर पर एसडीआरएफ और प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। बचाव और निकासी अभियान एसडीआरएफ टीम, एसडीएम महोर, एसएचओ महोर, सेना, स्थानीय निवासियों और अन्य संबंधित एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जा रहा है।

अभियान जारी है और जनता को प्रभावित क्षेत्र से दूर रहने और जिला प्रशासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है।वहीं रामबन पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने की सूचना मिलने पर जिससे आसपास के आवासीय मकानों को गंभीर खतरा पैदा हो गया था। यात्रा सहायता शिविर रामसू से एसडीआरएफ की एक बचाव टीम स्थानीय पुलिस के साथ शिव मंदिर के पास बिस्लेरी नाले के कार्लाना गांव पहुंची। टीम ने जन जागरूकता अभियान चलाया जिसमें निवासियों को सतर्क रहने, संवेदनशील क्षेत्र से दूर रहने और पत्थर गिरने की आशंका को देखते हुए सभी सुरक्षा सावधानियों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई। ग्रामीणों से यह भी आग्रह किया गया कि वे सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित करें।

एसडीआरएफ, जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के समन्वय से जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार नज़र रख रही है।

बाढ़ प्रभावित पीर पंजाल का दौरा जारी, हर परिवार के साथ खड़ी है सरकार : जावेद राणा

पुंछ, 25 जुलाई (हि.स.)। जल शक्ति, वन पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को सुरनकोट के धारा संगला क्षेत्र का दौरा कर हालिया भूस्खलन व बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनके दुख में सहभागी बने। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें राहत, पुनर्वास व मुआवजा समय पर दिया जाएगा। इस दौरान उनके साथ विधायक सुरनकोट चौधरी मोहम्मद अकबर व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। राणा ने बताया कि वह पिछले कई दिनों से पीर पंजाल के प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरा कर

स्थिति का जायजा ले रहे हैं और राहत व बहाली कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नुकसान का आकलन तेजी से किया जाए और पात्र परिवारों को बिना देरी सहायता उपलब्ध कराई जाए।

मंत्री ने संवेदनशील क्षेत्रों में दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन उपायों पर जोर देते हुए भूस्खलन व बाढ़ संभावित स्थानों की पहचान कर स्थायी सुरक्षा कार्यों की योजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही सड़कों, पेयजल, बिजली व अन्य आवश्यक सेवाओं की बहाली युद्ध स्तर पर करने को कहा ताकि प्रभावित लोगों को जल्द राहत मिल सके।

योग सत्र में युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने रामबन जिले के त्राजबल क्षेत्र में स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए एक योग सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। योग सत्र में स्थानीय समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान संबंधी गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नियमित योग अभ्यास के लाभों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें ऐसे योगासन, श्वास तकनीक और विश्राम अभ्यास कराए गए जो शारीरिक लचीलापन बढ़ाने, तनाव कम करने, एकाग्रता विकसित करने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं।

चिकित्सा शिविर में 600 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय सेना ने ब्लॉक मेडिकल प्रशासन कांडी के सहयोग से मंडिरगला स्थित सकरी मंदिर परिसर में एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने स्थानीय लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, चिकित्सीय परामर्श दिया और आवश्यक दवाएं निःशुल्क वितरित कीं।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B)
DIVISION GANDHI NAGAR JAMMU

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Short e-NIT No. DGN/46of 2026-27 Dated 24-07-2026

For and on behalf of theLieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmire-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works :-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (` in Lacs)	Cost of document (in `)	Earnest Money (in `)	Time Allowed for complete -on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Improvement of drain at Umarabad Bermini road Bathindi (Under Non Plan for the year 2026-27)	PWD (R&B) Division Gandhi Nagar	4.88	600	9760 (2% of the Advertised Cost)	01 Month	(1200 Hrs) on or after 31-07-2026	"A", "B" "C"& "D" Class
2	Up-gradation of Drain at Nowabad Kashmiri Mohalla near Pooja Medicate Sunjwan (Under Non Plan for the year 2026-27)	PWD (R&B) Division Gandhi Nagar	3.72	600	7440 (2% of the Advertised Cost)	01 Month	(1200 Hrs) on or after 31-07-2026	"A", "B" "C" & "D" Class
3	Up-gradation of Lane and Drain in Green Avenue, Digiana (Under Non Plan for the year 2026-27)	PWD (R&B) Division Gandhi Nagar	2.69	600	5380 (2% of the Advertised Cost)	01 Month	(1200 Hrs) on or after 31-07-2026	"A", "B" "C" & "D" Class

Position of AAA :- Accorded bySuperintending Engineer PWD (R&B) Circle South Jammu vide order No. 67 of 2026 dated 07-07-2026 amounting to `4.88 Lacs for item No. 1 and order No. 69 of 2026 dated 07-07-2026 amounting to ` 3.72 for item No. 2 and Order No. 70 of 2026 dated 07-07-2026 amounting to ` 2.69 Lacs for item No. 3.
Position of TS:- Sanctioned by Superintending Engineer PWD (R&B) Circle South Jammu vide order No. 56 of July 2026 dated 18-07-2026 amounting to ` 4.88 Lacs for item No. 1 and order No. 57 of July 2026 dated 18-07-2026 amounting to ` 3.72 for item No. 2 and Order No. 59 of July 2026 dated 18-07-2026 amounting to ` 2.69 Lacs for item No. 3.
Project Authority :-Superintending Engineer PWD (R&B) Circle South Jammu.
Major Head of Account:- Non Plan for the Year 2026-27.

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule :

1 Date of Issue of Tender Notice	24-07-2026
2 Period of downloading of bidding documents	From 24-07-2026 to 30-07-2026, 1800 Hrs
3 Date, Time and place of pre-bid meeting	27-07-2026 at 1300 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu
4 Bid submission Start Date	24-07-2026
5 Bid Submission End Date	30-07-2026 upto 1800 Hrs
6 Date & time of opening of Technical Bids (Online)	31-07-2026 on or after 1200 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu
7 Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu and upload the same i.e treasury challan/receipt, Earnest money/Bid security in shape of CDR/FDR/BG pledged to Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu. The CDR/FDR/BG shall be valid for 45 Days beyond the bid validity period. The original instruments in respect of cost of documents, EMD and relevant documents of L1 be submitted to the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu at the time of allotment.
2. Theelectronicbiddingsystemwouldnotallowanylatesubmissionofbidsafter due date and time as per servertime.Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not tomake any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequential-submission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the re-submission of the bid is not allowed.No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.inand conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of responsive bidders shall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Gandhi Nagar Jammu. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The earnest money shall be forfeited, If :-
a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.
b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.
c) Failure of successful bidder to execute the agreement on same day of allotment of work contract as per Chief Engineer PW (R&B) Department Jammu's Circular No. CEJ/G/12660-87 dated 07-10-2021.

.. Sd ..
(Er. Karanjeet Singh)
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Gandhi Nagar

DIP/J-6649/26
Dtd: 25-7-2026

संपादकीय

सुरक्षित तरीके से शिक्षा फिर शुरू की जाए

जम्मू संभाग के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी या निजी शिक्षण संस्थानों, जिनमें कोचिंग संस्थान और केंद्र भी शामिल हैं, को भौतिक कक्षाएं दोबारा शुरू करने से पहले सक्षम प्राधिकरण के माध्यम से भवनों की सुरक्षा का आकलन करवाने का स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीएसई), जम्मू की ओर से जारी आदेश विद्यार्थियों की सुरक्षा की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

जम्मू संभाग के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है और रिपोर्टों के अनुसार कई स्कूलों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों को संरचनात्मक नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसी भी तरह के जोखिम से बचने के लिए यह आदेश बिल्कुल उचित कदम प्रतीत होता है। निजी स्कूलों और अन्य शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन को भी इस आदेश को गंभीरता से लेना चाहिए और कक्षाएं दोबारा शुरू करने से पहले भवनों की सुरक्षा का आकलन करवाना चाहिए।

इस दिशा में स्कूल शिक्षा निदेशालय की पहल सराहनीय है। इसलिए शिक्षण संस्थानों का संचालन करने वाले प्रबंधनों को अपने भवनों का सुरक्षा ऑडिट करवाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करनी चाहिए और जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए, ताकि स्कूल खुलने में देरी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, क्योंकि समय बहुत महत्वपूर्ण है।

जिन स्कूलों का बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हुआ है, वहां संबंधित अधिकारियों को भवनों की मरम्मत पूरी होने तक अस्थायी व्यवस्था शुरू करने की प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि निरीक्षण के दौरान स्कूल भवन, कक्षाओं, चारदीवारी, फर्नीचर, विद्युत प्रतिष्ठानों, पेयजल सुविधाओं, स्वच्छता ब्लॉकों, खेल मैदानों तथा संस्थान के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक अन्य सभी बुनियादी ढांचे की जांच की जाएगी।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सक्षम प्राधिकरण द्वारा सुरक्षित घोषित किए जाने तक स्कूलों को दोबारा नहीं खोला जाना चाहिए। साथ ही, सरकार और स्कूल प्रबंधन को मिलकर निरीक्षण और मरम्मत का कार्य बिना किसी देरी के पूरा करना चाहिए, ताकि लंबे समय तक पढ़ाई प्रभावित न हो।

सुरक्षित स्कूल वातावरण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में पहला कदम है और यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए कि बच्चे बिना किसी डर या जोखिम के दोबारा कक्षाओं में लौट सकें।

बाढ़ के दौरान व्यापक नुकसान झेलने वाले सरकारी स्कूलों का पुनर्निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को ऐसे स्कूलों की तत्काल पहचान कर उनके पुनर्निर्माण के लिए निविदाएं जारी करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है और इसे किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि विद्यार्थियों का करियर और भविष्य इसी महत्वपूर्ण क्षेत्र पर निर्भर करता है।

स्वस्थ भारत की दिशा में शुभ संकेत है प्राकृतिक खेती का बढ़ना !

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की कृषि क्रांति आज उत्पादन सफलता की वो कहानी कह रही है, जिससे कि विश्व के 150 से अधिक देश लाभान्वित हो रहे हैं, ऐसे में अब प्रश्न यह है कि जो अन्न हमारी थाली तक पहुंच रहा है, वह कितना सुरक्षित है, कितना पौष्टिक है और आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य को कितना सशक्त बना सकेगा।

वस्तुत- पिछले कई दशकों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने कृषि उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि तो की, किंतु इसके साथ ही मिट्टी की उर्वरता, जल स्रोतों की गुणवत्ता, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्न भी खड़े कर दिए। कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, मधुमेह, एलर्जी और अनेक गैर-संचारी रोगों के बढ़ते मामलों के बीच अब पूरी दुनिया टिकाऊ और प्राकृतिक कृषि की ओर लौट रही है, जिसमें कि भारत इसी परिवर्तन का नेतृत्व करता दिखाई दे रहा है।

विशेष रूप से आंध्र प्रदेश की सामुदायिक प्राकृतिक खेती, हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक कृषि खुशहाल किसान योजना, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न मॉडल यह सिद्ध कर रहे हैं कि यदि नीति सही दिशा में हो, प्रशिक्षण और बाजार का उचित सहयोग मिलना आरंभ हो जाए तो किसान स्वेच्छा से रसायन आधारित खेती से बाहर निकलने को तैयार हैं, इसीलिए ही आज प्राकृतिक खेती राष्ट्रीय कृषि विमर्श का केंद्रीय विषय बन चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में प्राकृतिक खेती को स्वस्थ किसान, स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ पर्यावरण और स्वस्थ भारत के राष्ट्रीय अभियान के रूप में स्थापित करने का प्रयास हुआ है। यही कारण है कि आज प्राकृतिक खेती का बढ़ता दायरा देश के भविष्य की नई दिशा का संकेत बन गया है।

वर्ष 2014 के बाद केंद्र सरकार ने कृषि नीति को उत्पादन-केंद्रित दृष्टिकोण से बाहर निकालना आरंभ कर दिया था। उद्देश्य यह रखा गया कि कृषि स्वास्थ्य लाभ के वैज्ञानिक नजरिए से हो। कहना होगा कि इसका पहला बड़ा कदम वर्ष 2015 में शुरू की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना थी। पहली बार किसानों को उनकी भूमि की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक विश्लेषण उपलब्ध कराया गया, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि खेत को वास्तव में किन पोषक तत्वों की आवश्यकता है। तब परिणाम में दिखा कि इससे उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर नियंत्रण संभव हुआ और संतुलित पोषण की संस्कृति विकसित होने लगी।

आज इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

केंद्र सरकार के अनुसार 25.89 करोड़ से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं जोकि करोड़ों किसानों तक वैज्ञानिक कृषि ज्ञान पहुंचाने का सबसे बड़ा अभियान बन चुका है। इससे संतुलित उर्वरक उपयोग से जहां खेती की लागत कम हुई है, वहीं मिट्टी की जैविक गुणवत्ता में सुधार और दीर्घकालिक उत्पादकता बढ़ाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।

प्राकृतिक खेती को प्रारंभिक प्रयोगों से निकालकर व्यापक जनभागीदारी वाले कार्यक्रम का स्वरूप देने के लिए केंद्र सरकार ने नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग को गति प्रदान की है। ताजा सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो दिखाई यही देता है कि यह मिशन अब 18,786 क्लस्टरों तक पहुंच चुका है, जो 8.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हैं। देश के अनेक राज्यों में लाखों किसान प्राकृतिक खेती, जैविक खेती अथवा कम-रासायनिक कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं।

विशेष रूप से आंध्र प्रदेश की सामुदायिक प्राकृतिक खेती, हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक कृषि खुशहाल किसान योजना, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न मॉडल यह सिद्ध कर रहे हैं कि यदि नीति सही दिशा में हो, प्रशिक्षण और बाजार का उचित सहयोग मिलना आरंभ हो जाए तो किसान स्वेच्छा से रसायन आधारित खेती से बाहर निकलने को तैयार हैं, इसीलिए ही आज प्राकृतिक खेती राष्ट्रीय कृषि विमर्श का केंद्रीय विषय बन चुकी है।

भारतीय परंपरा में धरती को माता कहा गया है। यदि माता ही बीमार होगी तो उससे प्राप्त अन्न भी पूर्णत: पोषक नहीं हो सकता। यही वैज्ञानिक सत्य आज आधुनिक कृषि विज्ञान भी स्वीकार कर रहा है। मिट्टी में जैविक कार्बन, सूक्ष्म पोषक तत्व और लाभकारी जीवाणुओं की पर्याप्त मात्रा ही गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न की आधारशिला है।

इसी उद्देश्य से सरकार ने एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसियों (आत्मा) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से अब तक करीब 7.17 लाख प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक पोषण, सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग और जल संरक्षण की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही 70,002 कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जो गांव-गांव जाकर किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य और प्राकृतिक कृषि के प्रति जागरूक बना रही हैं।

सरकार ने यह भी समझा है कि कृषि सुधार सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसलिए स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 4,430 विद्यालयों तथा 1,29,167 विद्यार्थियों को इस अभियान से जोड़ा गया है। यह आने वाली पीढ़ी को प्रकृति और कृषि के बीच के संबंध को समझाने की दूरदर्शी पहल है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) समय-समय पर यह संकेत देते रहे हैं कि कृषि रसायनों का विवेकपूर्ण उपयोग अत्यंत आवश्यक है। अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों में यह पाया गया है कि कीटनाशकों के अत्यधिक और लंबे समय तक संपर्क में रहने वाले लोगों में कुछ प्रकार के कैंसर, तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार, हार्मोनल असंतुलन तथा प्रजनन संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। यद्यपि किसी एक बीमारी का कारण अकेला भोजन नहीं होता, फिर भी सुरक्षित, कम-रासायनिक और अवशेष-मुक्त खाद्य पदार्थ बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यही कारण है कि प्राकृतिक खेती आज किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम तो बन ही रही है, पर इससे अधिक यह देश के करोड़ों नागरिकों को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने का भी सशक्त अभियान बनती जा रही है। जब खेतों में रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों की निर्भरता घटेगी, तब थाली तक पहुंचने वाला अन्न भी अधिक प्राकृतिक, अधिक पौष्टिक और अधिक सुरक्षित होगा। यही स्वस्थ भारत की सबसे मजबूत नींव है, जिसकी ओर तेजी से इन दिनों भारत चलता हुआ नजर आ रहा है।

जंतर -मंतर से शिक्षा

-गिरीश्वर मिश्र

पिछले कुछ दिनों से राजनीति के हलकों में शिक्षा का विषय अनायास ही चर्चा में चुका है । सबकी जुबान वर्तमान शिक्षा-तंत्र को सुधारने की रट लगा रही है। लगता है शिक्षा की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर देश के कर्णधारों में सद्भावना जगी है। इसमें सभी शिक्षा-प्रेमियों को आशा की किरण दिख रही है। निश्चय ही एक अच्छी बात है कि शिक्षा की समस्या की तरफ़ राजनीतिक तंत्र का ध्यान आकृष्ट हुआ है। विपक्ष के नेता आज युवा छात्र समुदाय के हित की चिंता करने में भरसक जी जान से जुटे हुए हैं। संसद से सड़क तक आक्रामक रुख़ के साथ ज्यादातर विपक्षी दल अपनी राजनैतिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आज समर्पित दिख रहा है। आईएनडीआईए के बिखरते कुनबे के सदस्य आंदोलन के ज़रिए अपनी माँग पर खड़े दिख रहे हैं। उनकी माँग है कि वर्तमान शिक्षा मंत्री इस्तीफ़ा दें। तर्क है कि उनकी मुखियागिरी में हुई नीट की परीक्षा में पेपर लीक हुआ और लाखों युवा परीक्षार्थियों और उनके परिजनों को तरह-तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ा इसलिए जिम्मेदारी लेते हुए उनको इस्तीफ़ा देना चाहिए या सरकार को उनसे इस्तीफ़ा के लेना चाहिए।

अभी-अभी जन्मी काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक, जो लद्दाख के समाजकर्मी हैं और अध्यापक की पृष्ठभूमि वाले हैं, आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। वांगचुक ने 26 दिनों से चल रहे अनशन को तोड़ दिया है। साठ साल के हो रहे वांगचुक अपने अस्पताल से दिए गए वीडियो-संदेश में सबसे शांति और अहिंसा के साथ लड़ाई की बात करते हैं। विपक्षी राजनीति इस अवसर पर अपना विपक्षी धर्म निभाने में जुट गई है। वह संसद के मानसून सत्र को चलने नहीं देने के लिए आमादा है। साथ ही सड़क पर और प्रधानमंत्री आवास पर मार्च और धरना-प्रदर्शन में जुटा रहा है। देशव्यापी मार्च की योजना है। ये नेता शिक्षा में सुधार ले आने की बात भी कहते हैं पर मंत्री के इस्तीफे से ज्यादा सुधार की कोई बात अभी तक सामने नहीं आई है। इन नेताओं को शिक्षा से कभी ख़ास लेना-देना नहीं रहा है, इसलिए वे राजनीतिक अवसर के रूप में ले रहे हैं। इसके बावजूद यदि वे शिक्षा का नाम ले रहे हैं तो यह शिक्षा प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण है। यह बेहद जरूरी है कि शिक्षा-व्यवस्था पर समग्रता में विचार किया जाय। जंतर-मंतर शिक्षा जैसे गहन और गंभीर विषय पर बहुत सहायक न होगा। इस पर गंभीर चर्चा की ज़रूरत है और गलतियों को सुधार कर नई राह ढूँढने की आवश्यकता है।

पेपर लीक होना कोई नई बात नहीं है। यह अपराध है जिसमें लिप्त लोगों को दंडित किया ही जाना चाहिए। अब तक उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश में पिछले दस-बारह सालों में कुल मिला कर लगभग डेढ़ सौ बार परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनायें जाहिरी तौर पर दर्ज हो चुकी हैं। सरकार ने इस बार के मामले में गिरफ़्तारी की है और इससे जुड़े लोगों को जेल भेजकर कार्रवाई की जा रही है। सरकार सख्ती से निपटने के लिए कानून भी बना रही है। फ़ास्ट ट्रैक अदालत गठित कर मामलों पर त्वरित कार्रवाई की तैयारी हो रही है। यह अलग बात है कि ऐसे मामलों में कभी किसी की जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती है। गंगा पर पुल गिर जाता है और यह तय नहीं हो पाता कि कौन जिम्मेदार है। गंगा जी ही शायद निगल गईं। उन्हें ही कुछ संदेश देना हो। यानी पेपर लीक बहुत-सी परीक्षाओं में जगह-जगह पर होता आ रहा है और लोगों को इसकी आदत-सी पड़ गई है। लेकिन साल्वर गैंग सक्रिय है और बोर्ड परीक्षा में नकल जिस पैमाने पर होती है वह क़ानून व्यवस्था का प्रश्न बन जाता है और कभी-कभी धारा 144 लगाने की नौबत आ जाती है।

यह भी गौर करने की बात है कि इस साल हुई नीट की पहली परीक्षा जिसमें लीक हुआ था बीस लाख से अधिक छात्र बैठे थे। पेपर लीक होने से इन्हें बड़ी मुसीबत झेलनी पड़ी थी। सरकार ने चाक-चौबंद होकर दुबारा परीक्षा कराई जिसमें उन्नीस लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए और लीक जैसी दुर्घटना नहीं हुई । अब नीट की पुनर्परीक्षा का परिणाम आ चुका है जिसमें ग्यारह लाख से कुछ ज्यादे की संख्या में छात्र प्रवेश-योग्य पाये गए हैं। इनमें 58 प्रतिशत से अधिक छात्रायें हैं। वर्तमान में देशभर के 823 मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस में प्रवेश पाने के लिए कुल 1,36,939 सीटें ही उपलब्ध हैं। इसका आशय है प्रवेशार्थियों का मनोबल ऊंचा था और उन्होंने इस मुश्किल का डटकर मुकाबला किया। पर यह घटनाक्रम एक विकट संकट की ओर भी संकेत करता है। ये आंकड़े हमारी शिक्षा-प्रणाली की कमज़ोरियों और समाज की मानसिकता को लेकर बहुत कुछ कह रहे हैं। नीट में प्रवेश की मंशा पर भी सोचना होगा और जीविका के लिए उपलब्ध अवसरों पर भी गौर करना होगा।

कम सीटों के नाते विशाल देश में प्रवेश के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में सफलता को सुनिश्चित करने के लिए शॉर्टकट अपनाने को हर कोई मचल रहा है। नीट डाक्टरी के लिए प्रवेश द्वार और धनार्जन का प्रबल उपाय। चाहे जैसे हो और पात्रता भी हो न हो अपनी सीट सुरक्षित करवाने की धुन छात्रों और उनके माता-पिता कुछ भी धन और धर्म दोनों की क़ुरबानी देने के लिए उद्यत रहते हैं। लीक हुआ पेपर लाखों में बिका और इस व्यवसाय की कमाई बेइंतहा है। पेपर लीक की जो कथा उभर रही है वह बेईमानी की कई-कई परतों को खोल रही है। वह समाज में मूल्यों के क्षरण को व्यक्त करती है। यह तमाम तरह के शॉर्टकट से जुड़ी हुई है जो समाज को दीमक की तरह खा रहे हैं। ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता जिस तरह से गिर रही है। ऐसे में सफलता के लिए आतुर समाज में इस तरह की नैतिक दुर्घटनाएं स्वाभाविक हैं। आज सभी दल शिक्षा पर बात कर रहे हैं, पर गंभीरता किसी के दिल दिमाग में है, यह संदेहास्पद है। मंत्री का इस्तीफा देना या लेना प्रतीकात्मक असर वाला होगा, पर शिक्षा सुधार की कुंजी तो नहीं ही है। व्यापक राजनीतिक फ़सल काटने की ताक में सभी जरूर हैं।

शिक्षा के सवाल क्या हैं और उनको समझने की कोशिश करने की बात कोई नहीं कर रहा। अगर मंत्री के सिवाय सब कुछ वही रहे, यथावत, तो क्या पेपर लीक की समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या पेपर्स लीक ग़लत है पर क्या वही शिक्षा की सारी समस्याओं की जड़ है? गौर करने की बात है। पेपर का लीक होना कोई स्वतंत्र समस्या नहीं है। आज कोई तत्काल कमाई करने के लिए तो कोई भविष्य की कमाई की राह बनाने के लिए ईमानदारी को बिना किसी संकोच के तिलांजलि दे रहा है। इसी के समानांतर पैसा देकर नौकरी देने और पाने की चेष्टा भी हो रही है। रुपया लेकर काम यानी सुविधा-शुल्क जग जाहिर बात है। जाने कितने आफिस ऐसे हैं जहाँ बिना किसी तरह की सिफारिश या घूस या दोनों के बिना कोई कागज टस से मस नहीं होता। धन के अवैध यातायात के साथ न्यायालय का बड़ा घनिष्ठ रिश्ता है इसके कई उदाहरण आ चुके हैं। न्याय कितनी मुश्किल और कितनी मंहगी प्रक्रिया से होता है वह कोर्ट के दरवाजे जाने वाले से पूछिए। क़ानूनी प्रक्रियाओं का हाल ऐसा है कि उनके उलझन में कोई राह नहीं मिलती। प्रतिदिन राजनीति प्रेरित कितने मुकदमे चलते हैं और कितने बरी हो जाते हैं, इसका हिसाब लगाना मुश्किल है। फ़ास्ट ट्रैक की कचहरी किन-किन चीजों के लिए लगेगी? रसूख़ वाले और पैसेदार नेताओं और अन्य लोगों के मुक़दमों की गिनती ही नहीं होती। जबकि आम जन उसमें पिसने के लिए मजबूर हैं। पर यह सब वर्तमान चर्चा में सीधे-सीधे

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) पर विशेष

– योगेश कुमार गोयल

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी।

उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय

सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुन: कब्जा कर लिया।

5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारतीय सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कॉमनवेल्थ गेम्सः श्रीहरि नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में

एजेंसी

ग्लासगो। भारत के स्टार तैराक श्रीहरि नटराज ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 25 वर्षीय नटराज ने अपनी हीट में 25.52 सेकेंड का समय निकालते हुए पांचवां स्थान हासिल किया। हालांकि सभी पांच हीट के संयुक्त परिणाम में वह 14वें स्थान पर रहे और अंतिम-16 में जगह बनाकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए। नटराज की हीट में इंग्लैंड के ओलिवर मॉर्गन ने 24.91 सेकेंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका के पीटर कोएत्ज़ी ने 24.45 सेकेंड का गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए सभी हीट में सबसे तेज समय दर्ज किया। 50 मीटर बैकस्ट्रोक का सेमीफाइनल आज रात भारतीय समयानुसार 12:29 बजे खेला जाएगा। इससे पहले भारत के आर.वी.वी.बी.के. बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया। बुडिगिना ने 57.10 सेकेंड का समय निकालकर अपनी हीट में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि इमाम अली ने 1:05.32 मिनट के समय के साथ आठवां स्थान प्राप्त किया।इस हीट में स्कॉटलैंड के स्टीफन क्लेग ने 56.57 सेकेंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में हीट के सभी आठ तैराक फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा का फाइनल भारतीय समयानुसार शनिवार तड़के 12:00 बजे आयोजित होगा, जहां भारतीय तैराक पदक जीतने की चुनौती पेश करेंगे।

आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान, फारूकी की वापसी

काबुल : अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के लिए अफगानिस्तान की वनडे टीम का ऐलान किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी की वापसी हुई है, जबकि अनुभवी ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नबी को 15 सदस्यीय टीम से बाहर कर दिया गया है। अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह अफगानिस्तान के फुल-टाइम वनडे कप्तान के तौर पर अपनी पहली जिम्मेदारी संभालते हुए टीम की कप्तानी करेंगे। उन्होंने हाल ही में हशमतुल्लाह शाहिदी से कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली है, जो 50 ओवर के फॉर्मेट में अब सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। भारत के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज हारने के बाद सिलेक्शन कमिटी ने तेज गेंदबाजी विभाग में बदलाव करते हुए फारूकी के साथ-साथ तेज गेंदबाज यामीन अहमदजई और सलीम साफी को टीम में शामिल किया है। नतीजतन भारत के खिलाफ मुख्य टीम में शामिल तेज गेंदबाज फरीद मलिक और बिलाल सामी को लेग-स्पिनर कैस अहमद और तेज गेंदबाज बशीर अहमद के साथ रिजर्व लिस्ट में डाल दिया गया है, जबकि नबी टीम से बाहर रहने वाले सबसे बड़े खिलाड़ी हैं।

क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 : अलीरेज़ा फिरोज़ा बने चैंपियन

चेन्नई। फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेज़ा फिरोज़ा ने भारत के सबसे प्रतिष्ठित क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। बुधवार को द वेस्टिन चेन्नई वेलाचेरी में खेले गए सातवें और अंतिम राउंड में उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला ड्रॉ खेलकर पहला स्थान सुनिश्चित किया। टूर्नामेंट की शुरुआत लगातार दो जीत से करने वाले फिरोज़ा अंतिम राउंड में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों अर्जुन एरिगैसी और उज़्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से आधा अंक आगे थे। दूसरी ओर, अब्दुसत्तोरोव ने काले मोहरों से जीत हासिल कर खिताब की दौड़ में बने रहने की कोशिश की, लेकिन उन्हें रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन के हाथों 37 चालों में हार का सामना करना पड़ा। अब्दुसत्तोरोव की हार के बाद फिरोज़ा को खिताब जीतने के लिए केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ रूख और प्यादे के एंडगेम में बिना कोई बड़ा जोखिम उठाए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया और चैंपियन बनने में सफल रहे।

एमजीडी1 द्वारा आयोजित इस आमंत्रण टूर्नामेंट में आठ शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स ने राउंड-रॉबिन प्रारूप में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 75 लाख रुपये थी और इसके साथ महत्वपूर्ण फिडे सर्किट अंक भी दांव पर थे। विजेता फिरोज़ा को 25 लाख रुपये (26,500 अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि मिली।

रोहित शर्मा के संन्यास पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने तोड़ी चुप्पी, रिटायरमेंट की खबरों पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने की अटकलों के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि रोहित शर्मा टीम इंडिया का हिस्सा हैं और फिलहाल उनके संन्यास का कोई सवाल ही नहीं उठता। हाल के दिनों में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज रोहित शर्मा के करियर की आखिरी वनडे सीरीज हो सकती है। हालांकि BCCI ने इन सभी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। राजीव शुक्ला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में जो बातें चल रही हैं, उनका कोई आधार नहीं है।उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा हमारी टीम का हिस्सा हैं और लगातार खेल रहे हैं। मीडिया और सोशल मीडिया पर जो बातें चल रही हैं, उनका कोई मतलब नहीं है। फिलहाल उनके रिटायरमेंट का कोई सवाल ही नहीं है।'

झंडू कुमार ने दिलाया भारत को पहला मेडल, पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता ब्रॉन्ज

एजेंसी

ग्लासगो। भारत के झंडू कुमार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके साथ ही ग्लासगो में भारत ने मेडल टैली में अपना खाता भी खोल लिया है। दो ग्रुप वाले मुकाबले में झंडू ने 130.9 के बेस्ट रिजल्ट के साथ ग्रुप बी में टॉप किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्बाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को आसानी से पीछे छोड़ते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई। हालांकि, कंबाइंड स्टैंडिंग में नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने 132.8 की बेस्ट ओवरऑल लिफ्ट के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने 131.0 के साथ सिल्वर

मेडल हासिल किया। झंडू की 130.9 की लिफ्ट ब्रॉन्ज मेडल पक्का करने के लिए काफी थी। सिल्वर मेडल के लिए हुए कड़े मुकाबले में वे हार्डिंग से सिर्फ 0.1 पीछे रहे। 1 जनवरी 1997 को बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में जन्मे झंडू जन्म से ही पोलियो से ग्रस्त थे। सब्जी बेचने वाले के बेटे झंडू एक साधारण परिवार से आते हैं, और उन्होंने दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से आर्थिक और शारीरिक चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने 2017 में पैरा-एथलीट के तौर पर अपने खेल करियर की शुरुआत की और एफ55 शॉट पुट और डिस्कस थ्रो इवेंट्स में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कई जिला और राज्य-स्तरीय मेडल जीते। इस दौरान, जिम में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से पावरलिफ्टिंग में उनकी दिलचस्पी जगी। एक राज्य चैंपियनशिप में मिली सलाह के बाद, उन्होंने पैरा पावरलिफ्टिंग को अपना लिया। इससे पहले दिन में, अशोक मलिक कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के लाइटवेट पैरा-पावरलिफ्टिंग इवेंट में पोडियम पर जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गए। उन्होंने 200 किलोग्राम की शानदार बेस्ट लिफ्ट के बावजूद 143.8 प्वाइंट्स के साथ चौथा स्थान हासिल किया। मलिक पूरे प्रतियोगिता के दौरान मेडल की दौड़ में बने रहे, लेकिन आखिर में मलेशिया के बॉनी बुन्याऊ गुस्टिन से पीछे रह गए, जिन्होंने 153.5 पॉइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

राष्ट्रमंडल खेल लॉन बॉल्सः महिला युगल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

एजेंसी

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय महिला लॉन बॉल्स टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 (6-4, 7-5) से हराकर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारतीय जोड़ी रूपा रानी तिर्की और पिंकी ने दोनों सेट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा। पहले सेट में भारतीय जोड़ी ने 6-4 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में भी दक्षिण अफ्रीका की थाबेलो मुव्हांगो और जैकी जांसे वान रेंसबर्ग ने कड़ी चुनौती दी, लेकिन रूपा रानी तिर्की और पिंकी ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए 7-5 से सेट अपने नाम कर मुकाबला 2-0 से जीत लिया। यह भारत की ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत है।

इस जीत के साथ भारतीय टीम +9 के नेट प्वाइंट अंतर के साथ ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय महिला जोड़ी ने इससे पहले अपने पहले मुकाबले में माल्टा को टाईब्रेकर में हराकर विजयी शुरुआत की थी और अब लगातार दो जीत के साथ नॉकआउट चरण की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं।

सचिन सिवाच की नजर अब राष्ट्रमंडल खेलों के पदक पर, बोले- सर्वश्रेष्ठ देना ही लक्ष्य

एजेंसी

मुंबई। हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के उभरते स्टार मुक्केबाज सचिन सिवाच अब राष्ट्रमंडल खेल 2026 में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। 26 वर्षीय सचिन इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) से जुड़े हैं। वह ग्लासगो में भारत के सबसे प्रबल पदक दावेदारों में शामिल हैं।

सचिन ने 2025 में इतिहास रचते हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बनने का गौरव हासिल किया था। इसके बाद भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा। वर्ष 2026 में उन्होंने चेक गणराज्य के ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम और स्पेन के बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता, जबकि एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया। राष्ट्रमंडल खेलों में उतरने से पहले सचिन ने कहा कि भारत की जर्सी पहनकर खेलना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) की ओर से जारी एक बयान में कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे लिए सबसे बड़ा

गौरव है। हर टूर्नामेंट खास होता है, लेकिन राष्ट्रमंडल खेलों में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैंने इस मौके के लिए कड़ी मेहनत की है और मेरा लक्ष्य हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना, देश को गौरवान्वित करना और रिंग से यह संतोष लेकर बाहर आना है कि मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया। सचिन ने बताया कि पिछले दो वर्षों की सफलता के बाद भी उन्होंने अपनी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। उन्होंने अपनी गति, टाइमिंग, मूवमेंट और रिंग अवेयरनेस को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा, इस स्तर पर जीत और हार का अंतर बहुत कम होता है। इसलिए हर मुकाबले में अनुशासन बनाए रखना और रणनीति को सही तरीके से लागू करना बेहद जरूरी है। हमारी तैयारी शानदार रही है और मैं प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार हूं।सचिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है, इसलिए वह किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा, इस स्तर पर हर मुकाबला कठिन होता है। मैं आगे की नहीं, सिर्फ अगले मुकाबले की सोच रहा हूं। यदि मैं शांत रहकर अपनी ताकत के अनुसार मुक्केबाजी कर पाया और अपनी रणनीति पर अमल किया तो मुझे भरोसा है कि मैं शानदार प्रदर्शन कर सकता हूं।

जर्मनी फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच बने युर्गेन क्लॉप, 2030 विश्व कप तक संभालेंगे जिम्मेदारी

एजेंसी

फ्रैंकफर्ट। फीफा विश्व कप-2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जर्मनी फुटबॉल महासंघ ने बड़ा फैसला लेते हुए दिग्गज कोच युर्गेन क्लॉप को पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लॉप ने 2030 फीफा विश्व कप तक के लिए जर्मनी के साथ अनुबंध किया है। उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा फ्रैंकफर्ट में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। क्लॉप ने कहा, राष्ट्रीय टीम जर्मनों को एकजुट करने का काम करती है। यही बात इस जिम्मेदारी को मेरे लिए बेहद खास बनाती है। क्लॉप ने जूलियन नागेल्समैन की जगह ली है। नागेल्समैन ने विश्व कप में पैराग्वे से हार के बाद इस्तीफा दे दिया था। इस हार के साथ जर्मनी लगातार तीसरी बार पुरुष फुटबॉल विश्व कप के अंतिम-16 में जगह बनाने में विफल रहा। यह 59 वर्षीय क्लॉप की 2024 में लिवरपूल छोड़ने के बाद पहली कोचिंग जिम्मेदारी होगी। उन्होंने उस समय लगातार काम के कारण थकान का हवाला देते हुए पद छोड़ा था। हालांकि जर्मनी की नौकरी को लेकर बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अब वह पूरी तरह तरोताजा महसूस कर रहे हैं। लिवरपूल में रहे। इस दौरान जर्मन महासंघ ने रेड बुल समूह से भी चर्चा की, जहां क्लॉप पिछले डेढ़ वर्ष से हेड ऑफ ग्लोबल सॉकर के रूप में दुनिया भर के क्लबों को सलाह देने की भूमिका निभा रहे थे। क्लॉप के सामने नई जिम्मेदारी की

शुरुआत आसान नहीं होगी। जर्मनी को सितंबर के अंत और अक्टूबर की शुरुआत में यूईएफए नेशंस लीग में महज 11 दिनों के भीतर नीदरलैंड, ग्रीस और सर्बिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ चार मुकाबले खेलने हैं, जहां उनकी रणनीति और नेतृत्व की पहली बड़ी परीक्षा होगी।

युवा हॉकीइएस एशियाई चैंपियनशिपः पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

एजेंसी

मस्कट (ओमान)। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले भारत ने मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने चीन से मिली हार के बाद दमदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से रौंद दिया और अब सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से भिड़ेगी। पुरुष वर्ग के सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल (8वें मिनट), करण गौतम (10वें मिनट) और कप्तान केतन कुशवाहा (10वें मिनट) के गोल की बदौलत भारत ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में प्रह्लाद राजभर

(12वें मिनट) ने बढ़त 4-0 कर दी। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान (12वें और 15वें मिनट) तथा कप्तान अदील (17वें मिनट) ने गोल किए, लेकिन शाहरुख अली (16वें मिनट), राहुल यादव (18वें मिनट) और केतन कुशवाहा (20वें मिनट) के गोलों ने भारत की 7-3 की यादगार जीत सुनिश्चित कर दी।

इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम ने मेजबान ओमान को 10-1 से हराया। भारत ने पहले हाफ में ही 6-0 की बढ़त बना ली थी। शाहरुख अली और केतन कुशवाहा ने दो-दो गोल किए, जबकि करण गौतम और प्रह्लाद राजभर ने भी एक-एक गोल दागा। दूसरे हाफ में कुशवाहा ने अपने चार गोल पूरे किए, जबकि गौतम और राजभर ने भी दूसरा गोल किया। ओमान की ओर से एकमात्र गोल खजराज सुबैत अल-मशराफी ने किया। महिला वर्ग में भारतीय टीम को पहले मुकाबले में चीन के खिलाफ 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। पहले हाफ तक मुकाबला 3-3 की बराबरी पर था, जिसमें संदीपा कुमारी और किरण एक्का ने भारत के लिए गोल किए, लेकिन दूसरे हाफ में चीन ने बढ़त बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इतिहास

हालांकि, दूसरे मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शानदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान को 10-0 से हरा दिया। नौशीन नाज़ ने हैट्रिक जमाई, जबकि संदीपा कुमारी ने दो गोल किए। श्रुति कुमारी, किरण एक्का, स्वीटी कुजूर, नीलम टोपनो और दिया ने भी एक-एक गोल कर भारत की एकतरफा जीत में योगदान दिया। पूल चरण समाप्त होने के बाद भारतीय पुरुष टीम शनिवार, 25 जुलाई को फाइनल में एक बार फिर पाकिस्तान से भिड़ेगी। वहीं, भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल-2 में कजाकिस्तान का सामना करेगी। यह प्रतियोगिता उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: दूसरे दिन पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

एजेंसी

ग्लासगो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन शुक्रवार के मुकाबलों के बाद ऑस्ट्रेलिया 12 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक अपने नाम किए। नाइजीरिया छह पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। उसके खाते में तीन स्वर्ण और तीन रजत पदक हैं। नाइजीरिया ने पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए दो स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत दोनों पदक जीते। मेजबान स्कॉटलैंड चार पदकों (दो स्वर्ण और दो रजत) के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं, इंग्लैंड सात पदक जीतने के बावजूद स्वर्ण पदकों की कम संख्या के कारण चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड के खाते में एक स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक हैं। भारत ने भी दूसरे दिन अपना पदक खाता खोल लिया। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हैवीवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत को राष्ट्रमंडल खेल 2026 का पहला पदक दिलाया। इस उपलब्धि के साथ भारत फिलहाल पदक तालिका में नौवें स्थान पर है।

सीडब्ल्यूजी 2026: पुतुल सोनोवाल का शानदार प्रदर्शन जारी, फॉकलैंड आइलैंड्स के अलेक्जेंडर को हराया

एजेंसी

ग्लासगो । भारत के टॉप लॉन बॉल्स खिलाड़ी पुतुल सोनोवाल ने ग्लासगो में पुरुषों के सिंगल्स सेक्शनल प्ले में फॉकलैंड आइलैंड्स के सेसिल अलेक्जेंडर को कड़े मुकाबले में हराकर कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच हुआ मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंचा, लेकिन पुतुल ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। मौजूदा एशियाई चैंपियन सोनोवाल ने पहला सेट 7-5 से जीतकर बढ़त बनाई। हालांकि, सेसिल अलेक्जेंडर ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 8-6 से जीता और मैच को टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। इसके बाद सोनोवाल ने टाई-ब्रेक 1-0 से जीतकर जीत पक्की की। भारतीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला शनिवार को सेक्शन डी के मैच में

मलेशियाई खिलाड़ी से होगा। इससे पहले सोनोवाल ने पुरुषों के सिंगल्स सेक्शनल प्ले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और वर्ल्ड बॉल्स हॉल ऑफ फेम में शामिल रयान बेस्टर को हराकर कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने डेब्यू पर बड़ा उलटफेर किया और बॉल्स प्रतियोगिता में भारत की शानदार शुरुआत को आगे बढ़ाया। सोनोवाल ने सेक्शन डी में अपने अभियान की शुरुआत कनाडा के बेस्टर को हराकर की। यह रोमांचक मुकाबला आखिरी क्षणों तक चला और इसका फैसला टाई-ब्रेकर में हुआ।

सेक्शन डी के राउंड 1 में मैच 2 के रेगुलर समय में 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद सोनोवाल ने टाई-ब्रेकर में जीत दर्ज की। दुनिया में 21वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने पहला सेट 5-4 से जीतकर दो बार के सीडब्ल्यूजी सिल्वर मेडलिस्ट बेस्टर के खिलाफ बढ़त बनाई। हालांकि, कनाडा के खिलाड़ी ने वापसी की और दूसरा सेट 7-3 के स्कोर से जीता। मैनचेस्टर में 2006 के संस्करण में पुरुषों के सिंगल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, जबकि 2014 और 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

रयान बेस्टर काफी अनुभवी खिलाड़ी माने जाते हैं। उन्होंने वर्ल्ड आउटडोर चैंपियनशिप में सिंगल्स और पेयर्स में सात मेडल जीते हैं, जिसमें 2023 के संस्करण में सिंगल्स और पेयर्स में एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। हालांकि, मौजूदा एशियाई चैंपियन सोनोवाल ने बेस्टर के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए कड़े मुकाबले में जीत हासिल की।

सीडब्ल्यूजी 2026: जादुमनी का दमदार आगाज, 5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लासगो भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए। भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है। जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे।

इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

ब्रास सिटी प्री मानसून क्रिकेट टूर्नामेंट : नेक्स्ट ब्लू टीम ने नेक्स्ट रेड टीम को दो विकेट से हराया

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में ब्रास सिटी प्री मानसून क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन नेक्स्ट ब्लू टीम ने नेक्स्ट रेड टीम को दो विकेट से हरा दिया। अर्णव चौधरी को धुआंधार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स

एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि आज सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेक्स्ट रेड की टीम 32 ओवर में 153 रन पर ढेर हो गई। टीम के बल्लेबाज मयंक सिंह ने 48 व शेखर ने 13 रन बनाए। जवाब में नेक्स्ट ब्लू की टीम ने 36.1 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाकर जीत हासिल की। अर्णव चौधरी ने नाबाद रहकर 45 गेंद में 101 रन बनाए। कान्हा ने 34 व नैतिक ने 19 रन बनाए। अर्णव चौधरी को धुआंधार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिपः इतिहास रचने से एक कदम दूर अनाहत, 21 साल का सूखा खत्म कर बनाई फाइनल में जगह

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की अनाहत सिंह इतिहास रचने से बस एक जीत दूर हैं। मिस्र की बारब सामेह को चार गेम में हराकर वह पिछले 21 साल में वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। अपना पहला वर्ल्ड जूनियर खिताब जीतने की कोशिश में जुटीं शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में 3/4 सीड खिलाड़ी बारब को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया। अनाहत ने मजबूत शुरुआत की और पहला गेम 11-3 से जीता। इसके बाद सामेह ने वापसी की और दूसरा गेम 11-8 से जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की और आखिरी दो गेम 11-4 और 11-6 से जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट के फाइनल का टिकट हासिल किया, जहां उनके पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

जीत के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं सच में बहुत खुश हूं। मैंने कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बारब के साथ खेला था और वह भी ऐसा ही कड़ा मुकाबला था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे बहुत अच्छा खेलना होगा। कल मैं अपना बेस्ट नहीं खेल पाई थी और मुझे पता था कि इस मुकाबले में मुझे कोर्ट पर उतरकर दिखाना होगा कि मैं क्या कर सकती हूं। मैंने चार वर्ल्ड जूनियर टूर्नामेंट खेले हैं और क्वार्टर-फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे

माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है। 'अनाहत और ऐतिहासिक जीत के बीच अब मिस्र की दूसरी सीड खिलाड़ी रुकैया सलेम खड़ी हैं। उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी ही देश की खिलाड़ी और 3/4 सीड मलिका एलकाराक्सी को हराया। पिछले साल की चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं सलेम ने शुरुआच से ही मैच पर पकड़ बनाई। उन्होंने पहले दो गेम 11-5 और 11-9 से जीते। इसके बाद सिर्फ 15 साल की एलकाराक्सी ने वापसी की और तीसरा गेम जीता, लेकिन सलेम ने अपना संयम बनाए रखा। उन्होंने एक कड़े मुकाबले वाले चौथे गेम को 11-9 से जीतकर चैंपियनशिप मैच में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद भावुक सलेम ने कहा, 'मेरे पास अभी कहने के लिए शब्द नहीं हैं। मैंने इस पल के लिए बहुत मेहनत की है। पिछले साल इस इवेंट के लिए क्वालीफाई न कर पाना बहुत दुखद था। इस इवेंट में आते समय मुझे पता था कि मैं उस दर्द को सार्थक बनाना चाहती हूं। फाइनल में पहुंचकर मैं बहुत खुश हूं।' वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का फाइनल शनिवार को होगा, जिसमें अनाहत प्रतिष्ठित महिला खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने की कोशिश करेंगी।

कैलिबर माइनिंग का शेयर पहले दिन करीब 25 फीसदी की बढ़त के साथ हुआ बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर कारोबार के पहले दिन अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी का शेयर आज 18.86 फीसदी की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान ये 26.92 फीसदी चढ़कर 538.15 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, अंत में ये 24.64 फीसदी की बढ़त के साथ 528.50 रुपये के स्तर पर रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में कंपनी का शेयर 17.98 फीसदी की बढ़त के साथ 500.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में ये 24.57 फीसदी चढ़कर 528.20 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3,455.11 करोड़ रुपये रहा। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 146.64 गुना अभिदान मिला था। यह आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 50 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण था। कंपनी ने इसके लिए 402-424 रुपये प्रति शेयर का मूल्य का दायरा तय किया था।

सेल को पहली तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुने से ज्यादा होकर 1,644 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। सेल का एकीकृत शुद्ध लाभ पहली तिमाही में दोगुने से ज्यादा होकर 1,644.05 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मुख्य रूप से खर्च में कमी आने से अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का लाभ बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 744.58 करोड़ रुपये रहा था। सेल की कुल आय भी इस अवधि में बढ़कर 26,451.21 करोड़ रुपये हो गई है, जो वित्त वर्ष 2025-26 की इसी तिमाही में 26,083.90 करोड़ रुपये थी। वहीं, खर्च 24,146.32 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 25,189.19 करोड़ रुपये था। सेल ने अलग जारी बयान में कहा कि उसका कच्चा इस्पात उत्पादन घटकर 47.6 लाख टन रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 48.5 लाख टन था। सेल के चेयरमैन अशोक कुमार पांडा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, घरेलू इस्पात उद्योग ने मजबूती दिखाई है, जिसकी वजह घरेलू इस्पात की लगातार मांग रही है। उन्होंने कहा, ''बेहतर परिचालन क्षमता, सूझ-बूझ के साथ लागत प्रबंधन और केन्द्रित विपणन पहलों के जरिए, सेल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में काफी अच्छा मुनाफा कमाया है। पांडा ने कहा, ''कंपनी अपनी मजबूत विनिर्माण क्षमताओं का फायदा उठाने और घरेलू इस्पात की लगातार मांग का लाभ उठाते हुए अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए आश्वस्त है।''

कैट ने भंडार आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति का किया स्वागत

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को भारत में निर्मित अथवा उत्पादित वस्तुओं के निर्यात के लिए इन्वेंट्री (स्टॉक) रखने की अनुमति देने के निर्णय को एक स्वागतयोग्य और दूरदर्शी कदम बताया है। साथ ही इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों को जरूरी भी बताया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात तंत्र को सशक्त बनाने, 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' अभियान को गति देने तथा भारतीय निर्माताओं, एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित करने के विजन के अनुरूप है। सरकार ने केवल निर्यात के लिए भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति दी है।खंडेलवाल ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य का पूर्ण समर्थन किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि इस प्रावधान को उसके मूल उद्देश्य और भावना के अनुरूप लागू किया जाए तथा इसका दुरुपयोग घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार के लिए पिछले दरवाजे के रूप में न हो, क्योंकि वर्तमान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के तहत विदेशी कंपनियों को घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार की अनुमति नहीं है।

स्टॉक मार्केट में कैलिबर माइनिंग की मजबूत एंट्री, फायदे में निवेशक

नई दिल्ली। कोल माइनिंग सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 424 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 17.98 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 500.25 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 18.87 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 504 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 538.15 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये टूट कर 463.15 रुपये के स्तर तक भी आया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर बीएसई पर प्रति शेयर 104.50 रुपये यानी 24.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 528.50 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई पर इस शेयर ने प्रति शेयर 104.20 रुपये यानी 24.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशक शानदार मुनाफा कमाने में सफल रहे।

ईमानदार करदाताओं को सहूलियत दें, कर चोरी पर सख्ती करें: वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों से ईमानदार करदाताओं को सहूलियत देने और कर चोरी के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने को कहा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में 167वें आयकर दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह कहीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'कर निर्धारण में निश्चितता अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है।' इससे पहले इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। वहीं, विभाग के अधिकारियों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। 167वें आयकर दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने आयककर अधिकारियों को संवेदनशील होने की सलाह देते हुए कहा कि जानबूझकर कर चोरी करने वालों व अनजाने में गलती करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने आयकर विभाग के लिए पहचान, प्रतिक्रिया,

निवारण, आत्ममंथन और सुधार के रूप में 5 प्राथमिकताएं भी बताईं। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को कहा, 'कर कानून से मिले अधिकारों का उपयोग विनम्रता के साथ करें और कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरूस्त बनाए रखें।' उन्होंने कहा कि पिछले साल, मैंने इस बात पर जोर दिया था कि एक आधुनिक टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन के लिए न केवल आधुनिक कानूनों और टेक्नोलॉजी की जरूरत होती है, बल्कि आधुनिक वर्कप्लेस, अच्छी सुविधाओं वाले ऑफिस और प्रेरित वर्कफोर्स की भी ज़रूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि डिपार्टमेंट ने पिछले साल इन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में लगातार प्रगति की है। उन्होंने बताया कि मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, नोएडा और अन्य जगहों पर नए ऑफिस कॉम्प्लेक्स और आधुनिकीकरण के प्रोजेक्ट्स में अच्छी प्रगति हुई है। साथ ही, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय और कल्याणकारी सुविधाओं में लगातार निवेश किया गया है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि 2 दिन बाद मैं मुंबई में नए 'आयकर सिंधु' ऑफिस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करूंगी, जो वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसे-जैसे हम विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं, हमें अपने अधिकारियों के ज्ञान, कौशल और नेतृत्व क्षमताओं को विकसित करने में भी उतनी ही प्रतिबद्धता के साथ निवेश करना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि मैं एआई, डेटा एनालिटिक्स, फोरेंसिक अकाउंटिंग, अंतरराष्ट्रीय कराधान, ट्रांसफर प्राइसिंग, डिजिटल एसेट्स, साइबर सुरक्षा और एडवांस्ड फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन जैसे क्षेत्रों में बेहतर विशेष प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहूंगी। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारियों को व्यवस्थित नेतृत्व विकास का नियमित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

फ्लिपकार्ट ने पार्सल पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ की साझेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने भारतीय डाक के जरिए उपभोक्ताओं तक पार्सल पहुंचाने के लिए डाक विभाग के साथ साझेदारी की है। इस समझौते के तहत अब इंडिया पोस्ट फ्लिपकार्ट के ऑर्डर की ग्राहक के घर तक अंतिम चरण की डिलीवरी (लास्ट माइल डिलीवरी) करेगा।

कंपनी ने जारी बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत फ्लिपकार्ट को डाक विभाग के 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क का लाभ मिलेगा। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट ने बताया कि इससे कंपनी की बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, पार्सल पहुंचाने की दक्षता में सुधार होगा और विशेष रूप से दूरदराज तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं बेहतर होंगी।

फ्लिपकार्ट ने कहा, ''इस समझौते के तहत डाक विभाग देशभर में फ्लिपकार्ट के पार्सल को अंतिम चरण तक पहुंचाने की सेवाएं उपलब्ध कराएगा।'' इस साझेदारी के तहत कंपनी शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज एवं ऐसे इलाके जहां फ्लिपकार्ट की सेवा का अभाव हो वहां भी पार्सल पहुंचाने के लिए इंडिया पोस्ट के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करेगा। उल्लेखनीय है कि डाक विभाग ने पिछले साल दिसंबर में ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया के साथ भी इसी तरह का समझौता किया था।

FSSAI ने गंभीर अनियमितताओं पर रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस किया निलंबित, उत्पादन पर तत्काल रोक

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाने वाली कंपनी रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। नियामक ने कंपनी को सभी खाद्य कारोबार और मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि सभी कमियों को दूर कर सक्षम प्राधिकारी से अनुपालन का सत्यापन होने तक उत्पादन दोबारा शुरू नहीं किया जा सकेगा। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान गंभीर स्तर की अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद कंपनी का लाइसेंस निलंबित किया गया। नियामक ने चेतावनी दी है कि यदि कंपनी निलंबन आदेश का उल्लंघन करती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

खाद्य नियामक के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को कुल मिलाकर केवल 12 प्रतिशत अनुपालन स्कोर मिला, जो खाद्य सुरक्षा नियमों के बेहद गंभीर उल्लंघन और प्रावधानों के पालन में भारी विफलता को दर्शाता है।

एफएसएसएआई ने बताया कि फैक्ट्री परिसर अत्यंत अस्वच्छ और अव्यवस्थित पाया गया। मैन्युफैक्चरिंग टैंकों के नीचे गंदगी और कीचड़ जमा था, कच्चे माल का भंडारण बेतरतीब तरीके से किया गया था और हाउसकीपिंग की स्थिति बेहद खराब थी। इससे खाद्य उत्पादों में क्रॉस-कंटैमिनेशन का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।निरीक्षण में यह भी पाया गया कि यूनिट में स्टोरेज की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, कार्यस्थल सीमित था, वेंटिलेशन और रोशनी की व्यवस्था कमजोर थी, इमारत के कई हिस्से क्षतिग्रस्त थे, कीटों का प्रकोप था और पीने के पानी की जांच से संबंधित वैध रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं थी।

एफएसएसएआई ने कहा कि यह यूनिट हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स जैसे उच्च जोखिम वाली खाद्य श्रेणी के उत्पाद बनाती है, जिनका सेवन बच्चों और अन्य संवेदनशील वर्गों द्वारा भी किया जाता है। ऐसे में फैक्ट्री की अस्वच्छ स्थिति और खाद्य सुरक्षा नियंत्रणों की विफलता सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर और तत्काल खतरा पैदा करती है। नियामक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उत्पादन क्षेत्र में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां, अन्य कीड़े-मकोड़े और खुले में पड़ा खाद्य अपशिष्ट भी मिला। कंपनी डाइजेस्टिव सिरप, मल्टीविटामिन सिरप और अन्य सिरप आधारित खाद्य उत्पादों का निर्माण करती है।

तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने की भव्य-रसायन योजना को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन योजना) को मंजूरी दी है। इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने को आज मंजूरी दी गई। इसके लिए कुल 3,030 करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन किया जाएगा। इसमें से 3,000 करोड़ रुपये पार्क की भीतरी अवसंरचना सुविधाओं और बुनियादी उपयोगिताओं की स्थापना की लागत को पूरा करने और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय के रूप में आवंटित किए जाएंगे। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगी। सरकार उक्त योजना के तहत प्रत्येक पार्क के लिए संबंधित राज्य सरकार की ओर से न्यूनतम 500 करोड़

रुपये का योगदान करने के बाद 1,000 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान करेगी । केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि भव्य रसायन योजना से देश में रसायन उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह योजना साझा बुनियादी ढांचे और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से उत्पादन लागत तथा माल ढुलाई खर्च कम करेगी, जिससे भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। भौगोलिकसंदर्भ इसके साथ ही निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता घटेगी। साझा अपशिष्ट उपचार और खतरनाक कचरा प्रबंधन जैसी पर्यावरण-अनुकूल सुविधाओं से सतत औद्योगिक विकास सुनिश्चित होगा। योजना से घरेलू और विदेशी निवेश आकर्षित होंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा कृषि, दवा, वस्त्र, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

सरकार ने जारी किए 25.89 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड, 8.80 लाख हेक्टेयर तक पहुंची प्राकृतिक खेती

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बताया कि सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना) के तहत अब तक 25.89 करोड़ से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं। वहीं, प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग-एनएमएनएफ) का दायरा बढ़कर 18,786 क्लस्टर्स तक पहुंच गया है, जो कुल 8.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हैं। सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी के प्रबंधन और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों की जानकारी दी। सरकारी बयान के अनुसार, सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम के तहत संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसियों (एटीएमए) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के सहयोग से अब तक करीब 7.17 लाख प्रदर्शन आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा खेत बचाओ अभियान जैसे जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सरकार ने बताया कि अब तक 70,002 कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे गांव स्तर पर किसानों तक मिट्टी के स्वास्थ्य संबंधी सलाह और जानकारी पहुंचा सकें। वहीं, स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम के तहत वर्ष 2025-26 में 4,430 स्कूलों और 1,29,167 विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया है। बयान में कहा गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, जियोस्पेशियल मैपिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से मिट्टी के आकलन और किसानों को सलाह देने की सेवाएं अधिक प्रभावी हुई हैं। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और दीर्घकालिक कृषि स्थिरता को मजबूत करने में मदद मिल रही है। सरकार के अनुसार, देश की 46 प्रतिशत से अधिक कार्यबल कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में कार्यरत है। ऐसे में मिट्टी का स्वास्थ्य सीधे तौर पर किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और देश की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने टिकाऊ मिट्टी और भूमि प्रबंधन, जलवायु अनुकूल कृषि, प्राकृतिक खेती, सॉइल मैपिंग और डिजिटल कृषि पर विशेष जोर दिया है। बयान में कहा गया कि नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर (एनएमएसए) और नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (एनएमएनएफ) जैसी योजनाएं संसाधनों के बेहतर उपयोग और जलवायु के अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दे रही हैं। वहीं, सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम मिट्टी की जांच के आधार पर किसानों को उचित पोषक तत्वों के इस्तेमाल संबंधी सलाह उपलब्ध कराती है। सरकार ने यह भी बताया कि नेशनल मिशन फॉर ए ग्रीन इंडिया, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम जैसी पहलें मिट्टी में जैविक कार्बन बढ़ाने और लंबे समय तक कार्बन भंडारण को मजबूत करने में मदद कर रही हैं।भारत की नेशनल डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन (एनडीसी) प्रतिबद्धताओं के तहत ग्रीन इंडिया मिशन (जीआईएम) का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 2.5 से 3.0 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक तैयार करना है। इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 के अनुसार, वर्ष 2005 से 2021 के बीच देश में 2.29 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक तैयार किया जा चुका है।

महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप: ई-बिक्स ग्रुप के चेयरमैन विकास गर्ग को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

एजेंसी

रायपुर। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में रायपुर की विशेष प्रवर्तन निदेशालय अदालत (पीएमएलए) ने ई-बिक्स ग्रुप के चेयरमैन विकास गर्ग को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। ईडी की 10 दिनों की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया था। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार विकास गर्ग ने 10 दिन की पूछताछ में ईडी के सामने कई बड़े राज खोले हैं। बताया जा रहा है कि विकास गर्ग का महादेव ऑनलाइन सट्टा के संचालक सौरभ चंद्राकर से घनिष्ठ संबंध रहा है। जांच एजेंसी को सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत दोनों की पत्नियों के बैंक खातों में पैसे जमा करवाने और महादेव ऑनलाइन सट्टे की काली रकम को वाइट मनी में परिवर्तित करने के सबूत मिले हैं। ईडी का आरोप है कि विकास गर्ग ने महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप और स्काई एक्सचेंज के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल की अवैध सट्टेबाजी से अर्जित काली कमाई को अपनी शेल कंपनियों, लिस्टेड फर्मों और विदेशी निवेशों के माध्यम से वैध (व्हाइट मनी) बनाया।जांच में सामने आया है कि इस अवैध धन का उपयोग विदेशों में निवेश करने और लगभग 1,175 करोड़ रुपये में एक अमेरिकी तकनीकी कंपनी में नियंत्रण हिस्सेदारी खरीदने के लिए किया गया था। 10 दिनों की गहन पूछताछ के दौरान ईडी को सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और उनके परिवारों के बैंक खातों में बड़ी रकम जमा किए जाने तथा वित्तीय लेनदेन से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और पुख्ता सबूत मिले हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, विकास गर्ग विकास इकोटेक लिमिटेड, विकास लाइफकेयर लिमिटेड और एराया लाइफस्पेसेस लिमिटेड के प्रमोटर हैं। ईडी का दावा है कि एराया लाइफस्पेसेस लिमिटेड के माध्यम से कथित अवैध धन का उपयोग कर ई-बिक्स कैश में 64 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की गई।

मेडिकल डिवाइस पीएलआई योजना में वित्त वर्ष 2024-25 तक 266.64 करोड़ रुपए जारी: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 तक मेडिकल डिवाइस उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 266.64 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की है, जबकि मेडिकल डिवाइस पार्क योजना के तहत 209.80 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में यह जानकारी दी। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में नड्डा ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्कों के लिए जारी किए गए 209.80 करोड़ रुपए में से 177.98 करोड़ रुपए का उपयोग पहले ही किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मेडिकल डिवाइस उद्योग सुदृढ़ीकरण योजना (एसएमडीआई) के तहत आयात निर्भरता कम करने के लिए सीमांत निवेश योजना

(एमआईएस-आरआईडी) के अंतर्गत 101.50 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जबकि मेडिकल डिवाइस क्लस्टरों के लिए साझा सुविधाएं (सीएफएमडीसी) घटक के तहत 88.67 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है।

इनमें से अब तक 20.62 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने मेडिकल डिवाइसों के स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। इनमें उच्च स्तरीय और अत्यधिक सटीक उपकरणों के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत हो सके। उन्होंने बताया कि मेडिकल डिवाइस पीएलआई योजना का कुल परिव्यय 3,420 करोड़ रुपए है। इसके तहत पात्र कंपनियों को चार लक्षित श्रेणियों में बढ़ी हुई बिक्री पर प्रोत्साहन दिया जाता है। इनमें कैंसर देखभाल एवं रेडियोथेरेपी, रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, एनेस्थेटिक्स, कार्डियो-रेस्पिरेटरी एवं रीनल केयर उपकरण और इम्प्लांट्स शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इस योजना के तहत अब तक 27 आवेदनों को मंजूरी दी गई है, जिनमें 14 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं। स्वीकृत परियोजनाओं के तहत कंपनियों ने 1,153.07 करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश किया है और देश में एमआरआई एवं सीटी स्कैनर, लिनियर एक्सेलेरेटर (एलआईएनएसी), मैमोग्राफी सिस्टम, सी-आर्म, अल्ट्रासाउंड उपकरण, हार्ट वाल्व और स्टेंट जैसे उत्पादों का घरेलू उत्पादन शुरू कर दिया है।

नड्डा ने बताया कि मेडिकल डिवाइस पार्क योजना का कुल परिव्यय 300 करोड़ रुपए है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना से 12 साल में 45,000 करोड़ की बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि देशभर में अब तक 20,149 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। सरकार के मुताबिक, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के जरिए लोगों ने अब तक करीब 45,000 करोड़ रुपये की बचत की है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लोकसभा में बताया कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के तहत लोगों ने ब्रांडेड दवाओं की तुलना में करीब 45,000 करोड़ रुपये की बचत की है। इससे परिवारों का दवाओं पर अपनी जेब से होने वाला खर्च काफी कम हुआ है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के तहत 2,110 तरह की दवाएं और 315 सर्जिकल सामान, चिकित्सा उपयोग की वस्तुएं और उपकरण उपलब्ध हैं। इनमें हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, संक्रमण, एलर्जी और पेट से जुड़ी बीमारियों की दवाओं के साथ-साथ पोषक पूरक (न्यूट्रास्यूटिकल्स) भी शामिल हैं।फिलहाल, देश के 784 में से 776 जिलों में यह योजना लागू है। लैब रिएजेंट और वैक्सीन को छोड़कर, 'राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची' में शामिल लगभग सभी जेनेरिक दवाएं इस प्रोडक्ट बास्केट में शामिल हैं। योजना के तहत जन औषधि केंद्रों को आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली 200 दवाओं का स्टॉक रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें सबसे ज्यादा मांग वाली 100 दवाएं और बाजार में तेजी से बिकने वाली 100 दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने पर जन औषधि केंद्र संचालकों को हर महीने प्रोत्साहन राशि दी जाती है।पीएमबीजेपी योजना को लागू करने वाली एजेंसी 'फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया' (पीएमबीआई), जन औषधि केंद्रों के बिक्री प्रदर्शन के आधार पर लगातार उनका मूल्यांकन करती है।

बयान के अनुसार, योजना की समीक्षा और इसके बेहतर संचालन से पता चलता है कि पीएमबीजेपी ने जन औषधि केंद्रों के बढ़ते नेटवर्क के जरिए देशभर में सस्ती और अच्छी गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.16 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में कहा कि 17

जुलाई को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 551.06 अरब डॉलर हो गई है। इस हफ्ते में स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.48 अरब डॉलर घटकर 101.75 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.67 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित कोष भी 3.2 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा है।आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

मारुति सुजुकी ब्रेज़ा फेसलिफ्ट में मिलेगा बड़ा बदलाव, 1.5 लीटर इंजन के साथ आएगा 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा के नए फेसलिफ्ट मॉडल के साथ एक बड़ा तकनीकी बदलाव करने जा रही है। आधिकारिक लॉन्च से पहले सामने आए भारत एनकैप के दस्तावेज़ों ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि नई ब्रेज़ा कंपनी की पहली यात्री कार होगी, जिसमें 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। अब तक कंपनी के इस इंजन के साथ केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स ही उपलब्ध कराया जाता था। ऐसे में यह बदलाव न केवल ब्रेज़ा के लिए, बल्कि मारुति सुजुकी की पूरी यात्री वाहन श्रृंखला के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पहली बार मिलेगा 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स

भारत एनकैप की सूची के अनुसार नई ब्रेज़ा को कई पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा। इसमें मौजूदा 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। इसके अलावा कंपनी पहली बार इस एसयूवी में 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन भी पेश करेगी, जिसे केवल 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।

यह बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि अब तक मारुति सुजुकी की 1.5 लीटर और 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन वाली सभी मैनुअल कारों में 5-स्पीड गियरबॉक्स ही दिया जाता था। ग्रैंड विटारा, जिम्नी और अन्य मॉडलों में भी यही व्यवस्था देखने को मिलती है। नई 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का सबसे बड़ा लाभ राजमार्ग पर चलने वाले ग्राहकों को मिलने की उम्मीद है। अतिरिक्त गियर के कारण ऊंची गति पर इंजन का दबाव कम रहेगा, जिससे वाहन अधिक सहज तरीके से चलेगा। इसके साथ ही ईंधन की खपत में भी सुधार होने की संभावना जताई जा रही है। गियर अनुपात पहले की तुलना में अधिक संतुलित होने से वाहन की ड्राइविंग क्षमता भी बेहतर हो सकती है।

किन वैरिएंट्स में मिलेगा नया गियरबॉक्स

भारत एनकैप के दस्तावेज़ों के अनुसार 1.5 लीटर इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स को एलएक्सआई, वीएक्सआई, जेडएक्सआई और जेडएक्सआई प्लस वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स को वीएक्सआई, जेडएक्सआई और जेडएक्सआई प्लस वैरिएंट्स में पेश किया जाएगा।

नई 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन भी कई वैरिएंट्स में उपलब्ध होगी और इसे केवल 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जाएगा। इससे प्रदर्शन पसंद करने वाले ग्राहकों को एक नया विकल्प मिलेगा। नई ब्रेज़ा ने भारत एनकैप की क्रैश जांच में भी शानदार प्रदर्शन किया है। एसयूवी को वयस्क और बाल यात्रियों दोनों की सुरक्षा के लिए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। वयस्क यात्रियों की सुरक्षा श्रेणी में इसे 32 में से 30.41 अंक, जबकि बाल यात्रियों की सुरक्षा श्रेणी में 49 में से 43 अंक मिले हैं। यह उपलब्धि मारुति सुजुकी के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ब्रेज़ा कंपनी का तीसरा ऐसा मॉडल बन गया है, जिसने भारत एनकैप से 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी अब सुरक्षा पर पहले की तुलना में अधिक ध्यान दे रही है। फेसलिफ्ट मॉडल के साथ ब्रेज़ा में पहली बार 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन भी शामिल किया जाएगा। यह तीन सिलेंडर वाला इंजन लगभग 100 बीएचपी की शक्ति और 148 न्यूटन मीटर टॉर्क उत्पन्न करता है। माना जा रहा है कि यह इंजन उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर लाया जा रहा है, जो बेहतर प्रदर्शन वाली एसयूवी चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यही इंजन पहले से कंपनी की फ्रॉन्क्स में उपलब्ध है, लेकिन वहां इसे 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नई ब्रेज़ा इस इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स पाने वाली कंपनी की पहली यात्री कार होगी।

नेपाल के सेना प्रमुख ने चीन की जनमुक्ति सेना की भूमिका को सराहा

काठमांडू। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल ने कहा है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) या जनमुक्ति सेना ने पंचशील के सिद्धांतों पर आधारित नेपाल-चीन संबंधों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चीन की पीएलए की स्थापना की 99वीं वर्षगांठ के अवसर पर काठमांडू स्थित चीनी दूतावास द्वारा शुक्रवार को आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाली सेना और पीएलए के बीच संबंध मजबूत हैं और लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। सिग्देल ने उल्लेख किया कि दोनों सेनाओं के बीच होने वाली नियमित उच्चस्तरीय यात्राओं और आदान-प्रदान ने द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। संयुक्त सैन्य अभ्यास ने आपसी विश्वास, समझ और सहयोग को और गहरा बनाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में भी नेपाली सेना और पीएलए के बीच सहयोग और अधिक विस्तारित होगा, जिससे नेपाल-चीन मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे। इस अवसर पर नेपाल में चीन के राजदूत चांग माओमिंग ने कहा कि पिछले 99 वर्षों में पीएलए ने चीन की राष्ट्रीय स्वतंत्रता, मुक्ति, संप्रभुता, सुरक्षा एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास के साथ पीएलए के आधुनिकीकरण में उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसने विश्व शांति में भी सकारात्मक योगदान दिया है।

नेपाल में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर चर्चा

काठमांडू। नेपाल की स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, टेलीमेडिसिन को सुदृढ़ करने और एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने के संबंध में चर्चा की है। समयऔर कैलेंडर शनिवार को एक बैठक के दौरान, बडीमालिका नगरपालिका के प्रमुख अमर खड़का, स्मार्ट हेल्थ ग्लोबल के प्रतिनिधि मनोज खड़का, सुशील लेखक और अन्य के एक प्रतिनिधिमंडल ने 'द लास्ट माइल : डिजिटल हेल्थ कॉन्फ्रेंस 2083' के निष्कर्षों और सिफारिशों को प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय स्तर पर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को लागू करने के अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही, उन्होंने टेलीमेडिसिन के विस्तार, स्वास्थ्य सूचना प्रणालियों के एकीकरण, कानूनी और नीतिगत सुधारों, वित्तीय स्थिरता और सरकार के तीनों स्तरों के बीच मजबूत समन्वय को प्राथमिकता देते हुए एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यमन ने जवाबी हमले में सऊदी अरब के औद्योगिक ठिकानों पर दागीं मिसाइलें

सना। सऊदी अरब और यमन के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। यमन की सेना ने सऊदी अरब के जिज़ान क्षेत्र में औद्योगिक ठिकानों पर मिसाइल हमले करने का दावा किया है। यमन का कहना है कि यह कार्रवाई अल-हुदैदा और कामरान द्वीप पर सऊदी हवाई हमलों के जवाब में की गई है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार आ रही चेतावनियों ने क्षेत्र में संघर्ष और तेज होने की आशंका बढ़ा दी है। ईरान की समाचार एजेंसी फ़ारस व अन्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शनिवार तड़के हुए इन हमलों से पहले सऊदी सेना ने पश्चिमी यमन के अल-हुदैदा स्थित एक ठिकाने और कामरान द्वीप पर कई हवाई हमले किए थे। यमन का दावा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने सऊदी लड़ाकू विमानों को उसके हवाई क्षेत्र से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। हमलों के बाद यमन के विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि इस सैन्य कार्रवाई के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी रियाद सरकार की होगी। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यमन पर लंबे समय से लगी नाकेबंदी हटाने की मांग पर विचार करने के बजाय सऊदी अरब ने सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुना है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अल-हुदैदा पर हमला क्षेत्रीय तनाव को नए स्तर पर ले जाएगा और अब हमले के जवाब में हमला की नीति अपनाई जाएगी। वहीं, यमन के अंसारुल्लाह आंदोलन के वरिष्ठ नेता हज़ेम अल-असद ने भी सऊदी अरब को चेतावनी देते हुए कहा कि बंदरगाह के बदले बंदरगाह, हवाई अड्डे के बदले हवाई अड्डा और हर हमले का जवाब उससे भी बड़े हमले से दिया जाएगा।

खैबर पख्तूनख्वा के टैंक में आतंकी हमले में 14 सुरक्षाकर्मी समेत 15 की मौत, जवाबी कार्रवाई में 12 हमलावर ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में एक संयुक्त पुलिस चेकपोस्ट पर हुए आतंकी हमले में 14 सुरक्षाकर्मियों समेत 15 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया। आईएसपीआर के हवाले से जीओ न्यूज ने बताया कि 23 और 24 जुलाई की दरमियानी रात आतंकवादियों ने चेकपोस्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई कर उनके प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद भाग रहे आतंकवादियों का पीछा करते हुए 12 हमलावरों को मार गिराया गया। सेना ने बताया कि हमला विफल होने के बाद आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदे वाहन को चेकपोस्ट की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस शक्तिशाली विस्फोट में चेकपोस्ट को भारी नुकसान पहुंचा और 15 लोगों की जान चली गई। मृतकों में सेना के 12 जवान, दो पुलिस कर्मी और वन विभाग के एक पूर्व सरकारी अधिकारी शामिल हैं।

संवेदनशील जानकारी लीक करने वालों के खिलाफ सख्ती का बचाव, ट्रंप बोले-पत्रकार निशाने पर नहीं पर जरूरत पड़ी तो पूछेंगे सोर्स

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्लासिफाइड (गुप्त) या संवेदनशील जानकारी लीक करने वाले सरकारी अधिकारियों की पहचान करने के लिए कानूनी तरीकों के इस्तेमाल का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पत्रकारों के बजाय जानकारी लीक करने वालों को टारगेट कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंताओं के कारण रिपोर्टरों को कॉन्फिडेंशियल सोर्स बताने के लिए मजबूर किया जा सकता है। दरअसल, रिपोर्ट में बताया गया था कि न्याय विभाग ने एयर फोर्स वन से जुड़ी रिपोर्टिंग के सिलसिले में न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों को जारी समन वापस ले लिए हैं। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम पत्रकारों नहीं, जानकारी लीक करने वालों के पीछे हैं। हम उन लोगों के पीछे हैं जो कायर हैं और कई मामलों में देशद्रोही हैं।' राष्ट्रपति ने तर्क दिया कि बिना इजाजत के खुलासे के सोर्स की पहचान करने के लिए अक्सर उन पत्रकारों से पूछताछ करनी पड़ती है जिन्हें लीक हुई जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा, 'आप उन्हें पत्रकारों के जरिए ढूंढ सकते हैं। रिपोर्टर शायद जानते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी कुछ जानकारी नहीं लिखनी चाहिए।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि लीक की जांच के दौरान पत्रकारों के परिवार वालों को समन भेजना सही है तो ट्रंप ने सीधे तौर पर इस सवाल का जवाब नहीं दिया, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कानूनी तरीकों का इस्तेमाल करने का बचाव किया और कहा, 'मुझे नहीं पता कि क्या सही है, क्या नहीं। हम इसे कानूनी तौर पर करते हैं।'

राष्ट्रपति ने बार-बार पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तुलना की और दावा किया कि पिछली सरकारों ने भी लीक जांच के दौरान पत्रकारों को घेरा था। ट्रंप ने कहा, 'बराक हुसैन ओबामा हमेशा ऐसा करते थे। वह पत्रकारों के पीछे पड़ जाते थे। उन्होंने ऐसा कई बार किया और किसी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। जब कोई रिपब्लिकन ऐसा करता है, खासकर मैं तो हर कोई इसे बड़ी बात बना देता है।'

ट्रंप ने कहा कि गुप्त जानकारी को लीक करने के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने के बजाय उसे सुरक्षित रखने पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब आपके पास कोई है जो राष्ट्रीय सुरक्षा लीक कर रहा है या बहुत महत्वपूर्ण जानकारी लीक कर रहा है मान लीजिए, व्हाइट हाउस की दीवारों के अंदर कोई व्यक्ति लीक कर रहा है, तो मुझे लगता है कि यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है।' उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पत्रकारों से कॉन्फिडेंशियल सोर्स की पहचान करने के लिए कहना सही हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति नवे कहा, 'आप पत्रकारों से पूछकर पता लगा सकते हैं कि अगर यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, तो आपको यह जानकारी किसने दी? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल ठीक है।'

ट्रंप ने डॉब्स केस में सुप्रीम कोर्ट की ड्राफ्ट राय के लीक होने का भी जिक्र किया, जिसने रो बनाम वेड को पलट दिया था और कहा कि जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत कुछ था, सुप्रीम कोर्ट को देखिए जहां उन्होंने रो बनाम वेड की राय जल्दी लीक कर दी।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर लग सकती है तीन साल की रोक, नए बिल में सख्त नियमों का प्रस्ताव

एजेंसी
वाशिंगटन। रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने एक नया विधेयक पेश किया है, जिसमें तीन साल तक नए एच-1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही वीजा नियमों को पहले से कहीं अधिक सख्त बनाने और विदेशी कर्मचारियों व छात्रों से जुड़े कई प्रावधानों में बड़े बदलाव की बात कही गई है। सीनेटर टिम शीही ने 'एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट-2026' पेश करते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य 'अमेरिकी मेहनतकश लोगों को प्राथमिकता देना' है। टिम शीही ने कहा, 'एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत उन विशेष और कठिन पदों पर कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी, जहां योग्य लोग नहीं मिलते थे। इसका उद्देश्य योग्य और मेहनती अमेरिकी कर्मचारियों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को लाना कभी नहीं था। हमारे देश में प्रतिभा मौजूद है, इसलिए ऐसे वर्क परमिट जारी नहीं किए जाने चाहिए जो अमेरिकी कर्मचारियों के हितों को नुकसान पहुंचाएं।' उन्होंने कहा कि उनका विधेयक एच-1बी कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य के अनुरूप वापस लाएगा। इसके लिए कानून में मौजूद कमियों को दूर किया जाएगा, दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े सुरक्षा प्रावधान लागू किए जाएंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। सीनेटर के कार्यालय के अनुसार, यदि यह विधेयक कानून बनता है तो तीन वर्षों तक नए एच-1बी वीजा जारी नहीं किए जाएंगे। प्रस्तावित विधेयक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सुझाई गई प्रत्येक एच-1बी याचिका पर 100,000 डॉलर की फीस को कानून का हिस्सा बनाने की बात भी कही गई है। इसके अलावा मौजूदा लॉटरी प्रणाली को समाप्त कर वेतन आधारित चयन प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव है।

यूनेस्को ने वेस्ट बैंक और लेबनान के ऐतिहासिक स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल, इजरायल की आपत्ति दरकिनार

एजेंसी
सोल । यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र की शिक्षा, विज्ञान और सांस्कृतिक संगठन) ने इजरायल की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए वेस्ट बैंक के एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल और दक्षिणी लेबनान के पांच ऐतिहासिक किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया है। इनमें लेबनान का ब्यूफोर्ट कैसल (किला) भी है जिस पर हाल ही में इजरायल ने कब्जा किया था। क्रूसेडर काल का यह ऐतिहासिक किला कलाअत अल-शकीफ के नाम से भी जाना जाता है। इसे मई में लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान के दौरान इजरायली सेना ने अपने कब्जे में लिया था। विश्व धरोहर सूची में डालने का निर्णय शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को की बैठक में लिया गया। इससे कुछ दिन पहले इजरायल के विदेश मंत्रालय ने समिति से इन प्रस्तावों को अस्वीकार करने की अपील की थी। हालांकि, समिति ने मध्य पूर्व में जारी संघर्षों का हवाला देते हुए

आपातकालीन आधार पर नामांकनों की समीक्षा की और वेस्ट बैंक के सेबास्तिया नगर और लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के पांच किलों को विश्व धरोहर सूची के साथ-साथ संकटग्रस्त विश्व धरोहर सूची में भी शामिल करने का फैसला किया। यूनेस्को के अनुसार, कब्जे वाले वेस्ट बैंक के नाबलुस के पास स्थित सेबास्तिया पुरातात्विक स्थल में विभिन्न सभ्यताओं के क्रमिक शासन और बसावट के प्रमाण सुरक्षित हैं, जिनका इतिहास ईसा पूर्व 9वीं शताब्दी तक जाता है।वहीं, लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के ये पांच किले मध्यकाल से लेकर 19वीं शताब्दी के बीच के हैं। यूनेस्को ने कहा कि ये किले क्रूसेडर, अय्यूबी, ममलूक, उस्मानी (ऑटोमन) शासन तथा स्थानीय सामंती शासकों के अलग-अलग दौर और उनके अनुसार हुए निर्माण व बदलाव को दर्शाते हैं।

सिंध के जल की 'चोरी' का आरोप, पीपीपी ने पाकिस्तान में निकाली रैलियां

एजेंस
इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सत्तारूढ़ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी)ने सिंधु नदी के जल की कथित 'चोरी' के विरोध में पूरे प्रांत में रैलियां निकालीं। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि उसकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सिंध पीपीपी के अध्यक्ष निसार खुहरो के नेतृत्व में आयोजित रैली में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'सिंध के पानी की चोरी बंद करो' जैसे नारे लगाए। शुक्रवार को रैली को संबोधित करते हुए निसार खुहरो ने कहा कि यदि पानी के बंटवारे में सिंध के साथ कथित अन्याय जारी रहा तो पार्टी आंदोलन के तीसरे चरण की शुरुआत करेगी। इसके तहत सिंध के सभी संभागीय मुख्यालयों पर बड़े पैमाने पर रैलियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि सिंधु नदी के पानी में प्रांत के संवैधानिक हिस्से से वंचित किए जाने के विरोध में पीपीपी ने पूरे सिंध में 130 स्थानों पर प्रदर्शन किए। खुहरो ने कहा, 'जल ही जीवन है।

जल के बिना जीवन संभव नहीं है, और हम किसी को भी अपने लोगों का भविष्य छीनने नहीं देंगे।' उन्होंने संघीय सरकार और इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी (आईआरएसए) पर 1991 के जल बंटवारा समझौते को निष्पक्ष तरीके से लागू नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंध को बार-बार उसके हिस्से का पानी नहीं दिया जा रहा, जबकि पाकिस्तान के ऊपरी प्रांतों को प्राथमिकता दी जा रही है। पीपीपी नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सिंध के हिस्से का पानी चश्मा-झेलम लिंक नहर, तौंसा-पंजनद लिंक नहर और जलालपुर नहर के जरिए दूसरी ओर मोड़ा जा रहा है। उनका कहना था कि कानूनी और संवैधानिक आपत्तियों के बावजूद ऐसा किया जा रहा है।

सऊदी के दो शहरों जाजान और यानबू पर मंडराया खतरा, सिविल डिफेंस ने तीन बार जारी किया अलर्ट

एजेंसी
रियाद । सऊदी के दो शहरों जाजान और यानबू पर खतरा मंडरा रहा है। सिविल डिफेंस ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर से ही पोस्ट्स अपडेट की जा रही हैं। शनिवार सुबह तीन पोस्ट्स के जरिए पहले खतरे को लेकर सतर्क किया गया, फिर सब कुछ सामान्य होने की सूचना दी गई। हालिया पोस्ट में यानबू को लेकर सचेत किया गया है। यह बंदरगाह शहर व्यावसायिक दृष्टि से काफी अहम है। यानबू पश्चिमी सऊदी अरब के मदीना प्रांत में लाल सागर तट पर स्थित एक औद्योगिक शहर है। लाल सागर पर जिद्दा के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। बेहद खूबसूरत द्वीप पर्यटन का मुख्य केंद्र है। स्कूबा डाइविंग, कोरल रीफ्स और समुद्री गतिविधियों के लिए काफी पसंद किया जाता है, यही कारण है कि यमन से बढ़ती तल्खी के बीच इस क्षेत्र को लेकर सऊदी काफी फिक्रमंद है। बिगड़ते हालात के मद्देनजर चेतावनी जारी की गई। दोनों

ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। यमन ने जिजान औद्योगिक शहर के एक अहम केंद्र और अरामको से जुड़ी तेल प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाया। हमलों के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हुदैदाह में हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। दरअसल, इससे पहले लाल सागर में सऊदी से जुड़े जहाजों को हूती विद्रोहियों ने निशाना बनाया था। सऊदी अरब के दो टैंकरों पर हमला किया था, जिसके जवाब में ये हमले किए गए। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मल्की ने एक्स पर इसकी पुष्टि की। बताया, 'हमने होदैदाह प्रांत में आतंकवादी हूती मिलिशिया के वैध सैन्य ठिकानों के खिलाफ उचित सैन्य जवाबी कार्रवाई की।'

इसी हफ्ते सोमवार को हूती विद्रोहियों ने कहा था कि वह लाल सागर में सऊदी अरब के खिलाफ नाकेबंदी करेंगे। इसके बाद सऊदी अरब ने सख्त जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। सिविल डिफेंस ने 'राष्ट्रीय आपातकालीन प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली' के तहत नागरिकों और प्रवासियों के लिए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश भी जारी किए। विभाग ने कहा कि यदि किसी के मोबाइल पर चेतावनी संदेश प्राप्त हो, तो वह शांत रहे और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करे। लोगों को तुरंत किसी सुरक्षित भवन के अंदर या खिड़कियों से दूर स्थित कमरे में जाने और आधिकारिक रूप से खतरा समाप्त होने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है।

ट्रंप का दावा- ईरान के पास समझौते के अलावा विकल्प नहीं, सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिका पूरी तरह तैयार

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन साथ ही उसकी सरकार बातचीत भी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने पर सहमत होता है तो कूटनीतिक समाधान उनकी पहली पसंद रहेगा। व्हाइट हाउस में असैन्य परमाणु ऊर्जा से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर सैन्य अभियान और तेज करने की स्थिति में है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ईरान अब समझौते को लेकर पहले से अधिक गंभीर हो रहा है। ईरान पर व्यापक सैन्य हमले की संभावना से जुड़े सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम अभी उनसे बातचीत कर रहे हैं। हम पूरी तरह तैयार हैं और कार्रवाई के लिए तैयार बैठे हैं, लेकिन बातचीत भी जारी है। देखते हैं इससे क्या नतीजा निकलता है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय दो रास्ते मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'एक सैन्य रास्ता है, जिसमें हम मौजूदा अभियान को इसी तरह जारी रखें और चाहें तो इसे और भी ज्यादा तेज कर सकते हैं। दूसरा ज्यादा समझदारी वाला रास्ता यह है कि समझौता किया जाए। वे भी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे अभी पूरी तरह तैयार हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि बातचीत में ईरान पहले के मुकाबले अब तक सबसे ज्यादा गंभीर नजर आ रहा है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी समझौते की कोई गारंटी नहीं है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि वे गंभीर हैं। जितना हमने उन्हें पहले कभी गंभीर नहीं देखा, उससे कहीं ज्यादा गंभीर वे अब नजर आ रहे हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम समझौते तक पहुंच ही जाएंगे। देखते हैं आगे क्या होता है।' जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका ईरान को क्या संदेश दे रहा है, तो ट्रंप ने अपना पुराना रुख दोहराया। उन्होंने कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। बात इतनी ही सरल है।

ट्रंप के नॉमिनी ने एआई एक्सपोर्ट पर सख्त कंट्रोल का वादा किया

एजेंसी
वॉशिंगटन । अमेरिकी निर्यात नियंत्रण विभाग के शीर्ष पद के लिए नामांकित प्रत्याशी ने इस सप्ताह एक बड़ा संकल्प लेते हुए कहा है कि वह अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों के सैन्य मंसूबों तक नहीं पहुंचने देंगे। चीन के साथ बढ़ते वैश्विक मुकाबले के बीच, उन्होंने निर्यात नियंत्रण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस और सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) में एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के असिस्टेंट सेक्रेटरी के तौर पर नॉमिनेट की गई एबी वॉरेन ने सीनेट बैंकिंग कमेटी के सामने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर की ग्लोबल होड़ के बीच, एक्सपोर्ट कंट्रोल वॉशिंगटन के सबसे अहम नेशनल सिक्योरिटी टूल्स में से एक हैं। वॉरेन ने सांसदों से कहा, 'ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी, अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी, इकोनॉमिक सिक्योरिटी और बेजोड़ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट और

साइंटिफिक इनोवेशन की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक्सपोर्ट कंट्रोल उन सबसे अहम टूल्स में से हैं, जिनसे यह पक्का किया जा सकता है कि अमेरिका की सबसे सेंसिटिव टेक्नोलॉजी, प्रोडक्ट्स और एक्सपर्टीज का इस्तेमाल हमारे दुश्मनों की मिलिट्री मॉडर्नाइजेशन या रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में न हो।' वॉरेन का परिचय देते हुए सीनेटर टेड क्रूज ने कहा कि अमेरिका 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कौन आगे रहेगा, इस मामले में चीन के साथ होड़' में बना हुआ है। उन्होंने तर्क दिया कि 'लीडरशिप की अहम जगहों पर सही लोगों के होने से हमारे देश को फायदा मिलता है। वॉरेन अमेरिका की एक्सपोर्ट कंट्रोल पॉलिसी बनाने में मदद करेंगी ताकि 'यह पक्का किया जा सके कि अमेरिका चीन का मुक़ाबला कर सके और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत किया जा सके।'

कमेटी के चेयरमैन टिम स्कॉट ने भी इस पद के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट कंट्रोल से 'संवेदनशील अमेरिकी टेक्नोलॉजी को हमारे दुश्मनों के हाथों में जाने से रोकने' में मदद मिलती है और यह पक्का होता है कि 'ग्लोबल एआई की दौड़ में जीत अमेरिका की हो, न कि चीन की। बीआईएस लीडरशिप के फैसलों का असर राष्ट्रीय सुरक्षा, टेक्नोलॉजी सेक्टर और अमेरिकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर पड़ेगा।'

अपने बयान में वारेन ने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों के तीव्र विकास और तेजी से वैश्विक होती आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर आधारित एक लचीली नियामक प्रणाली की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, 'इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक ऐसी नियामक प्रणाली की आवश्यकता है जो प्रभावी, अनुकूलनीय और हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर आधारित हो।'

व्हाइट हाउस ने सऊदी अरब परमाणु डील को इजरायल समझौते से जोड़ा, दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य होने की उम्मीद जताई

एजेंसी
वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने (स्थानीय समय) को फिर से कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उम्मीद है कि सऊदी अरब, इजरायल के साथ संबंध सामान्य करेगा। इसके साथ ही व्हाइट हाउस ने उम्मीद जताई कि सऊदी अरब प्रस्तावित नागरिक परमाणु समझौता को लेकर बड़ी समझ के हिस्से के तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी सरकार इस मुद्दे को अपनी मध्य-पूर्व रणनीति का केंद्र मानता है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब से साफ कर दिया है कि इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाना और अब्राहम समझौते में शामिल होना उनकी प्रमुख अपेक्षाओं में शामिल है। मिलर ने कहा, 'राष्ट्रपति ने सऊदी अरब के सामने न सिर्फ इस कार्यकाल में, बल्कि पहले से ही यह स्पष्ट कर दिया है कि इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने और अब्राहम समझौते में शामिल होने को लेकर उनकी क्या अपेक्षाएं, समय-सीमा और प्रतिबद्धताएं हैं।' उनकी यह टिप्पणी उस सवाल के जवाब में आई कि ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट की घोषणा से अलग सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौते को इजरायल से संबंध सामान्य करने की शर्त से क्यों जोड़ा गया। हालांकि मिलर ने इस प्रक्रिया के क्रम (सीक्वेंसिंग) पर सीधे जवाब नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास सऊदी नेतृत्व और उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच की गहरी समझ है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप से बेहतर आज कोई भी अमेरिकी सऊदी अरब की सोच, वहां के प्रमुख नेताओं और दोनों देशों के रिश्तों की प्रकृति को नहीं समझता।' मिलर ने कहा कि ट्रंप का रियाद के साथ जुड़ाव 2017 में सऊदी अरब की राजधानी में दिए गए उनके ऐतिहासिक भाषण से शुरू हुआ था और उन्होंने क्षेत्र में सऊदी अरब की भूमिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा, 'अगर आप देखें कि आज सऊदी अरब किस स्थिति में है, तो 2017 के रियाद भाषण से लेकर क्षेत्र में हिंसक आतंकवाद के खिलाफ उसे मजबूत सहयोगी बनाने तक राष्ट्रपति ट्रंप ने सऊदी अरब को क्षेत्रीय स्थिरता के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक बनाने में मदद की है।' मिलर ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप सऊदी अरब की रणनीतिक सोच और उसके भविष्य की योजनाओं को पूरी तरह समझते हैं।

अमेरिका चीन के साथ एआई साइंस की दौड़ में आगे बढ़ रहा

वाशिंगटन । ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह अमेरिका के वैज्ञानिक रिसर्च सिस्टम में बड़े बदलाव का बचाव किया। प्रशासन का तर्क है कि आने वाले दशकों में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में चीन से आगे रहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग अहम होंगे। इस रणनीति का भारत जैसे अहम सहयोगियों पर भी असर पड़ेगा। साइंस, स्पेस और टेक्नोलॉजी पर बनी हाउस कमेटी के सामने पेश होते हुए व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी (ओएसटीपी) के डायरेक्टर माइकल क्रैट्सियोस ने 'साइंस का नया सुनहरा दौर' की रूपरेखा पेश की। वहीं, फंडिंग, रिसर्च की प्राथमिकताओं और अमेरिकी साइंस की भविष्य की दिशा को लेकर कानून बनाने वाले नेता पार्टी के आधार पर बंटे हुए दिखे। क्रैट्सियोस ने कानून बनाने वालों से कहा, 'तेजी से बदलती दुनिया में हमारी आर्थिक लीडरशिप और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारे दबदबे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अमेरिका अब अकेला औद्योगिक और वैज्ञानिक सुपरपावर नहीं रहा। अमेरिकी साइंस के सुनहरे दौर की शुरुआत करने के लिए नए फोकस और सुधारों की जरूरत है।' क्रैटसियोस ने कहा कि उनके ऑफिस की एक रिपोर्ट में फेडरल रिसर्च को अधिक लचीला बनाने, अलग-अलग वैज्ञानिकों की मदद करने, वैज्ञानिक खोज और मैन्युफैक्चरिंग के बीच संबंध मजबूत करने और भविष्य की रिसर्च में एआई को केंद्र में रखने के लिए सुधारों का प्रस्ताव दिया गया है। इसका एक मुख्य हिस्सा प्रशासन का 'जेनेसिस मिशन' है।

गोलीबारी के बाद पहली बार कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में पहुंचे ट्रंप, बोले- राजनीतिक हिंसा के सामने नहीं झुकेंगे

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भी व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में शामिल होंगे। राष्ट्रपति के रूप में इस वार्षिक कार्यक्रम में अपनी पहली पूर्ण उपस्थिति के दौरान उन्होंने मजाक, राजनीतिक टिप्पणियां और एकता की अपील की। उन्होंने खास तौर पर उस गोलीबारी का जिक्र किया, जिसके कारण पिछले डिनर को स्थगित करना पड़ा था। सैकड़ों पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य मेहमानों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह भविष्य में भी इस वार्षिक परंपरा का हिस्सा बने रहेंगे। इससे पहले अप्रैल में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन (डब्ल्यूएचसीए) के डिनर के दौरान एक हमलावर ने गोलीबारी कर दी थी। हालांकि, कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उसे समय रहते काबू कर लिया था। इसके बाद इवेंट को कुछ समय के लिए टाल दिया गया। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति ने डिनर का आयोजन बाद में करने की बात कही थी। ट्रंप ने कहा, 'हम अगले साल फिर यहां लौटेंगे।' उनके इस बयान पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। हमले को याद करते हुए ट्रंप ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह समारोह इस बात का संदेश है कि राजनीतिक हिंसा न तो निर्वाचित नेताओं को डरा सकती है और न ही प्रेस को। उन्होंने कहा, 'आज रात हम फिर एकजुट हुए हैं और इस जघन्य हमले का जवाब अटूट संकल्प के साथ दे रहे हैं। हम राजनीतिक हिंसा के सामने झुकने वाले नहीं हैं। हम अपने मतभेदों का समाधान गोलियों से नहीं, बल्कि खुली और मजबूत बहस के जरिए करते हैं।' उन्होंने हमलावर को बंदूक वाला एक पागल, हारा हुआ आदमी कहा। फायरिंग के दौरान सीक्रेट सर्विस ऑफिसर विक्टर गोंजालेज घायल हो गए थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने गोंजालेज, सीक्रेट सर्विस, मेट्रोपॉलिटन पुलिस और दूसरे कानून लागू करने वाले लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा, 'विक्टर चेकअप के लिए हॉस्पिटल भी नहीं जाना चाहते थे। हम आपको सलाम करते हैं और पूरे दिल से आपका शुक्रिया अदा करते हैं।' वहीं, डिनर कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने भी गोंजालेज और शाम को पहचाने गए दूसरे अधिकारियों के लिए खड़े होकर तालियां बजाईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने माना कि गोलीबारी की वजह से उन्हें ओरिजिनल डिनर के लिए तैयार किया गया ज्यादा आक्रामक भाषण छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे एक बात पता है। मैं वह भाषण कभी नहीं दे पाता जो मैंने तैयार किया था, वह बहुत जबरदस्त होने वाला था। मैं बहुत उत्साहित था। इसके बजाय अगर बुरा न मानें तो थोड़ी तीखी आलोचना भी कर लेते हैं।' अपनी एक घंटे की बातचीत के दौरान ट्रंप ने मजाक के साथ-साथ राजनीतिक विरोधियों और मीडिया के सदस्यों की आलोचना भी की। इसके साथ ही व्हाइट हाउस प्रेस कोर के काम की सराहना भी की। उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों के बारे में कहा, 'मैं उनमें से ज्यादातर की इज्जत करता हूं। आप बहुत अच्छा काम करते हैं।' उन्होंने रिपोर्टरों के साथ अपने संबंध के बारे में भी मजाक किया और कहा कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के पास सबसे मुश्किल कामों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लेविट को लेकर कहा, 'उसे हर समय आप सभी से डील करना पड़ता है।' ट्रंप ने डब्ल्यूएचसीए की प्रेसिडेंट वेइजिया जियांग की भी सराहना की और कहा कि फायरिंग के बाद साथ काम करने के बाद दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए इज्जत बढ़ी है। उन्होंने कहा, 'हम एक तरह से दोस्त बन गए थे। तनाव के समय में कभी-कभी, आप दोस्त बन जाते हैं।

page 1 and 8 July 26_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/26/2026 1:02 AM Page 2

पेपर लीक वाले नकल माफिया मिट्टी में मिला दिए जाएंगे: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा, छात्रों का भविष्य अंधकारमय करने वाला नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत

फतेहपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया 489 करोड़ से अधिक की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास*

पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ला रही सख्त कानून- सीएम योगी*

दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और 10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा- सीएम योगी*

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली सपा व कांग्रेस आज बहा रही हैं घड़ियाली आंसू- सीएम योगी*

लखनऊ, 25 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और 10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए 489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही जय श्रीराम, मोदी-योगी जिंदाबाद के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी जी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में आशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया। आज भारत के नौजवानों को दुनिया में सम्मान मिलता है। मोदी जी ने युवाओं को एक वर्ष में 12 लाख सरकारी नौकरियां दीं और गत 12 वर्षों में करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर देकर उनके जीवन को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। आज जब युवाओं के मन में कुछ कसक थी, तब पीएम स्वयं सामने आए, युवाओं के साथ संवाद किया और संसद में सख्त कानून लाने के लिए कैबिनेट से नए अधिनियम के मसौदे को पारित कराया, यह अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यूपी के नौजवानों से कहना चाहता हूं कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते। पहले राय में बड़ा निवेश नहीं आता था, क्योंकि हर जगह कोई न कोई गुंडा या माफिया हावी था। सपा शासन में एक ही नारा गूंजता था- देख सपाई, बिटिया घबराई। लेकिन अब ऐसा नहीं है।

सीएम ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास कभी नहीं था और न है। सपा के लोग अब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं, क्योंकि ठेके, पट्टे और अवैध जमीनों पर कब्जे का उनका धंधा चौपट हो चुका है। इसलिए वे हताश-निराश बैठे हुए हैं। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। भाजपा ने 1990 में लखनऊ में एक कार्यालय के लिए जमीन ली थी। जब कार्यकर्ताओं ने चंदा इकट्ठा कर कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पता चला कि उस जमीन पर भी सपा के एक पूर्व विधायक ने कब्जा कर रखा था। कल हमने बुलडोजर भेजकर उस कब्जे को हटवाया है। यही इनका धंधा था। खेत बोता कोई और था, लेकिन फसल काटने ये लोग पहुंच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन व आवास की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत ?5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है और गरीब के घर में रसोई गैस का चूल्हा पहुंचा है। किसानों के लिए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना है। केवल किसान ही नहीं, बल्कि सह-किसान और उसके परिवार को भी इसका लाभ मिलता है। दुर्भाग्य से कोई आपदा आ जाए, तो किसान के परिवार को बिना किसी सिफारिश के ?5 लाख की सहायता प्राप्त हो जाती है। किसानों के निजी ट्यूबवेल के बिजली बिल का भुगतान सरकार कर रही है।

स्थानीय समाचार

क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू ने पहले दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू कीं

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू (सीएलयूजे) ने अपने स्थापना काल के बाद पहली बार आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू कर दी हैं। इस दिशा में नवगठित प्री-प्रिपरेटरी कमेटी की पहली बैठक कुलपति सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई जिसमें समारोह के सफल आयोजन के लिए विस्तृत कार्ययोजना और रणनीतिक रोडमैप पर चर्चा की गई। कुलपति प्रो. के. एस. चंद्रशेखर के निर्देश पर गठित इस समिति में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, डीन, घटक महाविद्यालयों के प्राचार्य और विभिन्न शैक्षणिक पदाधिकारी शामिल हैं। बैठक के दौरान रजिस्ट्रार अंकुर महाजन और परीक्षा नियंत्रक डॉ. रणविजय सिंह ने प्रस्तावित तैयारियों, संभावित समय-सीमा, प्रशासनिक व्यवस्था, लॉजिस्टिक प्रबंधन और अन्य आवश्यक पहलुओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने समयबद्ध योजना, समन्वित कार्यप्रणाली और उच्च शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मानकों के अनुरूप आयोजन पर विशेष जोर दिया।

बैठक में दीक्षांत समारोह से जुड़े प्रशासनिक, शैक्षणिक, प्रोटोकॉल, तकनीकी और व्यवस्थागत पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही विभिन्न समितियों और संबंधित पक्षों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उपायों पर भी चर्चा हुई ताकि आयोजन सुचारु और प्रभावी ढंग से संपन्न कराया जा सके। बैठक के अंत में समिति के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को एक यादगार शैक्षणिक आयोजन बनाने का संकल्प लिया। यह समारोह न केवल स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव होगा बल्कि क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती पहचान और उत्कृष्टता को भी प्रदर्शित करेगा।

पीएमएजीवाई के तहत गांव विकास योजनाओं की समीक्षा, समग्र विकास के लिए विभागीय समन्वय पर जोर

कठुआ, 25 जुलाई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित गांवों के लिए तैयार ग्राम विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में सीपीओ रंजीत ठाकुर, एसीडी अखिल सदोत्रा, बीडीओ कठुआ, नगरी और कीढ़ियां-गंडियाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे जबकि जिला पंचायत अधिकारी आमिर चौधरी व अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। बैठक के दौरान वीएलसीसी द्वारा प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी समन्वय के माध्यम से गांवों की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप व योजना के दिशा-निर्देशों के तहत तैयार की जाएं तथा सभी विभाग आपसी तालमेल से कार्य कर समयबद्ध ढंग से इन्हें अंतिम रूप दें ताकि योजना के उद्देश्यों को प्रभावी तरीके से हासिल किया जा सके।

सोना ए दरबार माँ बावे वाली दा भजन का विमोचन, श्रद्धा और संस्कृति का संदेश

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं पूर्व डिप्टी मेयर जम्मू बलदेव सिंह बिलावरिया ने शनिवार को माँ श्री बावे वाली को समर्पित भक्ति भजन 'सोना ए दरबार माँ बावे वाली दा' का विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रशपाल वर्मा, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष धरमिंदर कुमार, संस्कृति, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के सह-संयोजक साहिल महाजन, भजन के गायक एवं लेखक मखन चहल, संगीतकार कुमार गौरव तथा वीडियो निर्देशक राहुल दत्ता भी उपस्थित रहे।

भजन के विमोचन के दौरान बलदेव सिंह बिलावरिया ने कहा कि भक्ति संगीत भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण माध्यम है।

नशा मुक्त अभियान के तहत जिला बैडमिंटन टूर्नामेंट शुरू

कठुआ, 25 जुलाई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जिला प्रशासन कठुआ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया।

टूर्नामेंट में अंडर-14, अंडर-19, पुरुष महिला व वेटरन वर्गों में 200 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जबकि डबल्स स्पर्धाओं में 58 टीमें प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

इस अवसर पर उपायुक्त ने खिलाड़ियों को खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने और नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने खेल

सुविधाओं के बेहतर उपयोग और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं को मंच देने के लिए ऐसे आयोजन नियमित रूप से करता रहेगा। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न वर्गों के मुकाबले उत्साहपूर्ण माहौल में खेले गए।

जीएमसी कठुआ में बाढ़ से हुए नुकसान का लिया जायजा, महत्वपूर्ण ढांचे की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश

कठुआ, 25 जुलाई (हि.स.)। हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कठुआ का दौरा किया और वहां की स्थिति का जायजा लिया।

दौरे के दौरान उपायुक्त ने प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर निरीक्षण कर परिसर और आधारभूत ढांचे को पहुंचे नुकसान का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने जीएमसी के प्राचार्य डॉ. सुरिंदर अत्री और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बातचीत कर स्थिति की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल की तथा चल रहे बहाली कार्यों की समीक्षा की।

उपायुक्त ने बाढ़ नियंत्रण विभाग को निर्देश दिए कि जीएमसी

के भवनों और अन्य परिसंपत्तियों को भविष्य में किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम तुरंत उठाए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर ठोस बाढ़ सुरक्षा उपाय तैयार कर उन्हें लागू करने के निर्देश दिए ताकि संस्थान की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों। उन्होंने अधिकारियों को बहाली कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए जिससे भविष्य में बाढ़ के प्रभाव को कम किया जा सके।

डीसी रामबन ने ई-गवर्नेंस सेवाओं के उत्कृष्टता केंद्र 'जिला सेवा केंद्र' का उद्घाटन किया

रामबन, 25 जुलाई। उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान ने आज उपायुक्त कार्यालय परिसर, रामबन में ई-गवर्नेंस सेवाओं के उत्कृष्टता केंद्र 'जिला सेवा केंद्र' का उद्घाटन किया। इस केंद्र की स्थापना एक ही स्थान पर विभिन्न ऑनलाइन सरकारी सेवाओं तक पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। इससे पारदर्शिता, कार्यकुशलता और नागरिक केंद्रित सेवा वितरण को बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन के बाद उपायुक्त ने केंद्र के बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवा काउंटरों और यहां उपलब्ध ऑनलाइन सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवा संचालन की व्यवस्था की समीक्षा की और सेवा वितरण की गुणवत्ता तथा कार्यकुशलता का आकलन करने के लिए कर्मचारियों से बातचीत की। डीसी ने संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने और केंद्र पर आने वाले नागरिकों को उचित मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र के कामकाज में उच्च स्तर की कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर जोर दिया। उपायुक्त ने जिला प्रबंधक सीएससी रामबन को जिले भर में सभी सामान्य सेवा केंद्रों के उचित संचालन और निर्धारित मानकों एवं शुल्क संरचना के अनुसार सेवाएं उपलब्ध कराने को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कृषि निदेशक ने एचएडीपी के तहत वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की

जम्मू, 25 जुलाई। कृषि निदेशक जम्मू एवं एचएडीपी परियोजना पी-15 'वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम' के पीजीएमसी अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने आज कृषि निदेशालय, जम्मू के सम्मेलन कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में पांच वर्षीय कार्य योजना के तहत गतिविधियों के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन किया गया और कार्यान्वयन में आ रही बाधाओं पर चर्चा की गई। परियोजना पी-15 के तहत भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए कृषि निदेशक ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय, स्वीकृत कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी पर जोर दिया, ताकि विशेष रूप से वर्षा आधारित क्षेत्रों के किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके। उन्होंने संबंधित विभागों को कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने और निर्धारित समयसीमा का पालन करने के निर्देश दिए। अनिल गुप्ता ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) के तहत वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम को कृषि उत्पादकता बढ़ाने, जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देने और वर्षा आधारित क्षेत्रों के किसानों की आजीविका में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजना के लक्ष्यों को पूरा करने का आह्वान किया। पीजीएमसी अध्यक्ष ने कार्यान्वयन एजेंसियों को किसान साथी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सभी पात्र आवेदनों के निपटारे में तेजी लाने तथा बिना देरी के सत्यापन और मंजूरी की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र लाभार्थियों तक जल्द से जल्द योजनाओं का लाभ पहुंच सके। बैठक में कृषि निदेशक जम्मू गुल सैयद, जम्मू के कृषि एवं संबद्ध विभागों के वरिष्ठ और तकनीकी अधिकारी, पी-15 के परियोजना अन्वेषक (पीआई), स्कास्ट-जम्मू तथा कृषि उत्पादन विभाग के तकनीकी अधिकारी डॉ. वीर अभिमन्यु कौल उपस्थित रहे।

कठुआ में जिला किराया मूल्यांकन समिति की बैठक, 13 किराया मामलों को मंजूरी

कठुआ, 25 जुलाई। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने आज उपायुक्त कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में जिला किराया मूल्यांकन समिति (डीआरएसी) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा उपयोग की जा रही इमारतों के किराया निर्धारण से जुड़े मामलों को अंतिम रूप देने पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान आईसीडीएस, हस्तशिल्प, हथकरघा, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, समाज कल्याण, आयुष, सीआईडी, राजस्व और जेकेआरएलएम सहित विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा वर्तमान में उपयोग की जा रही इमारतों के 14 किराया मामले मासिक किराया निर्धारित करने के लिए समिति के समक्ष रखे गए। समिति ने प्रत्येक मामले की विस्तृत जांच की। 14 मामलों में से 13 मामलों को मंजूरी प्रदान की गई, जबकि एक मामले को तकनीकी कमियों के कारण दोबारा प्रस्तुत करने के लिए स्थगित कर दिया गया। डीआरएसी के अध्यक्ष ने अधिकारियों को कार्यालयों के लिए खाली सरकारी इमारतों को प्राथमिकता देने और सभी लंबित किराया मूल्यांकन मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ महिमा मदान, सहायक आयुक्त राजस्व कठुआ विश्व प्रताप सिंह, कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस मुश्ताक चौधरी, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग (आरएंडबी) कठुआ तथा जिले में निजी इमारतों से संचालित सभी संबंधित विभागों के सदस्य उपस्थित रहे।

विलुप्तप्राय लोकपर्व 'रुट्ट राह्ढ़े' के पुनर्जीवन हेतु एक परिचयात्मक एवं प्रदर्शनात्मक कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 25 जुलाई । धम्मा धम्मा राढ़ेया की मधुर स्वर-लहरियों से नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड स्थित जम्मू-कश्मीर हाउस का परिसर उस समय गूंज उठा, जब डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा विलुप्तप्राय लोकपर्व रुट्ट राह्ढ़े के पुनर्जीवन हेतु एक परिचयात्मक एवं प्रदर्शनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन की अध्यक्ष सुदेश डोगरा, जम्मू-कश्मीर हाउस की अधिकारी सविनय कुमारी तथा सत्या देवी, सोनी गुलेरिया पूजा शर्मा, पुष्पा शर्मा और इन्दू शर्मा के समूह ने रुट्ट राह्ढ़े से जुड़े पारम्परिक डोगरी गीत प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपने घरों में तैयार किए गए पारम्परिक व्यंजन—रुट्ट, चिल्ले, बबरू, मदरे तथा घ्यूर—भी अतिथियों को परोसे। इन व्यंजनों की इतनी प्रचुर व्यवस्था थी कि अलग से भोजन की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। इस व्यवस्था में वीणा शर्मा तथा पूनम मगोत्रा ने भी

महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

कार्यक्रम का गीत-संगीत सुप्रसिद्ध गायक धीरज शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। पारम्परिक गीतों में समसामयिक संदर्भों के अनुरूप कुछ अतिरिक्त बोल सुदेश डोगरा एवं धीरज शर्मा द्वारा जोड़े गए थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर अनिल शर्मा ने डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन, दिल्ली-एनसीआर की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने वैज्ञानिक सोच तथा पारम्परिक लोकबुद्धि पर आधारित, विलुप्त होती इस सांस्कृतिक परम्परा से जम्मू-कश्मीर हाउस तथा दिल्ली में रह रहे डोगरा समाज को पुनः परिचित कराने का सराहनीय प्रयास किया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी राज्य की धर्मनिरपेक्ष एवं प्रासंगिक सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के लिए किए जाने वाले ऐसे सभी प्रयासों में जम्मू-कश्मीर हाउस का पूर्ण सहयोग रहेगा।

एसोसिएशन के महासचिव रमन

केसर ने रुट्ट राह्ढ़े की परम्परा, उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि तथा वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए डोगरा संस्कृति से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जम्मू के गांवों में इस परम्परा को पुनर्जीवित करने का अभियान चलाएं तथा डोगरा समुदाय की राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ बनाने के लिए दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे महानगरों में भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस उत्सव का आयोजन करें। उनके वक्तव्य के दौरान एसोसिएशन की एक टीम—जगदीश शर्मा, सुदेश डोगरा, सतपाल शर्मा, सुरजीत सिंह गुलेरिया, स्वीटी तथा बोधराज सिंह—पूर्व-तैयार राह्ढ़ों को भूमि में स्थापित कर उनके चारों ओर आकर्षक रंगोलियां सजा रहे थे, जिससे उपस्थित लोगों को इस लोकपरम्परा का जीवंत प्रदर्शन देखने का अवसर मिला। उल्लेखनीय है कि लगभग पूर्णतः लुप्त हो चुकी इस परम्परा को जम्मू के साहित्यकार एवं शिक्षाविद् श्री ध्यान सिंह जी ने 1980-90 के दशक में पुनर्जीवित किया था और पिछले कुछ वर्षों तक इसे चला रहे थे।दिल्ली की वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अनिता महाजन ने इस अवसर पर रुट्ट राह्ढ़े के वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अमेरिका में हुए एक हालिया अध्ययन से यह तथ्य सामने आया है कि जो लोग अपनी संस्कृति, परम्पराओं, पहनावे और सामाजिक परिवेश से जुड़े रहते हैं, उनमें अवसाद (डिप्रेशन) जैसी मानसिक समस्याओं की संभावना अपेक्षाकृत बहुत कम होती है।इस आयोजन की व्यवस्थाओं में जम्मू-कश्मीर बैंक का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा। बैंक के दिल्ली स्थित क्लस्टर हेड ने भी डोगरा संस्कृति के संरक्षण हेतु संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कर्नल सुनील शर्मा, दिल्ली की वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाट्य निर्देशक काजल सूरी, ज्योतिषाचार्य जीतू सिंह, महेश डोगरा तथा कांगड़ा निकेतन से शक्ति शर्मा सहित अनेक प्रतिष्ठित डोगरा व्यक्तित्व उपस्थित रहे।